



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 172]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 9, 2008/वैशाख 19, 1930

No. 172]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 9, 2008/VAISAKHA 19, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

मई दिल्ली, 9 मई, 2008

अंतिम जांच परिणाम

विषय: कोरिया आर.ओ.के. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एसीटोन के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच ।

फा. सं. 14/13/2006-डी जी एंड डी.—1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

2. जबकि मैसर्स हिन्दुस्तान ऑर्गेनिक केमिकल लि०, मुम्बई तथा मै. शेनेक्टेडी हर्डिलिया लि०, मुम्बई (अब एसआई ग्रुप इंडिया लि० के नाम से ज्ञात) (जिन्हें एतदपश्चात आवेदक कहा गया है) ने निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिन्हें एतदपश्चात नियम कहा गया है) के अनुसार एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें कोरिया आर.ओ.के. तथा रूस (जिसे एतदपश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एसीटोन (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया था और संबद्ध माल पर पाटनरोधी शुल्क लगाने हेतु पाटनरोधी जांच करने का अनुरोध किया गया है । प्राधिकारी ने नियमों के उप-नियम 5(5) के अनुसार कोरिया आर.ओ.के. के उच्चायोग तथा रूस के दूतावास को पाटन के आरोप की प्राप्ति के बारे में सूचित किया ।

3. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर 12.02.2007 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित

किया गया था जिसके द्वारा नियमों के उप-नियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित जाँच शुरू की गयी थी ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और उसके प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और उस पाटनरोधी शुल्क की राशि, यदि लगायी जाए तो, घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, की सिफारिश की जा सके।

4. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने आवेदक के लिखित अनुरोध पर नियम 14(क) के अनुसार रूस के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित एसीटोन के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जाँच दिनांक 24.03.2008 को समाप्त कर दी।

क. सामान्य

5. प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त जाँच की शुरुआत को अधिसूचित करने संबंधी सार्वजनिक सूचना जारी किए जाने के बाद इस जाँच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है :-

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पत्रों के अनुसार भारत में संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों, आयातकों तथा घरेलू उद्योग को दिनांक 12.02.2007 की जाँच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियाँ भेजी और उनसे उक्त अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया।
- (ii) प्राधिकारी ने नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों तथा संबद्ध देश के दूतावास को आवेदन के अगोपनीय रूपान्तर की प्रति भी भेजी।
- (iii) भारत में संबद्ध देश के दूतावास को नियम 6(2) के अनुसार जाँच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया था और उनसे अपने देश के निर्यातकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर उत्तर देने की सलाह देने का अनुरोध किया गया था। निर्यातकों के नाम एवं पत्रों के साथ उन्हें भेजे गए पत्र एवं प्रश्नावली की प्रति भी दूतावास को भेजी गई थी।
- (iv) नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के निर्यातकों से संगत सूचना प्राप्त करने के लिए प्राधिकारी ने उन्हें प्रश्नावली भेजी थी।
- (v) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश उसके द्वारा रखी गयी सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण हेतु खुला रखा।
- (vi) इस जाँच में विश्लेषण के प्रयोजनार्थ वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) द्वारा प्रस्तुत सौदे-वार आयात आँकड़ों पर विश्वास किया गया है।
- (vii) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना का आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया।
- (viii) आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना और सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर उत्पादन की ईष्टतम लागत तथा भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकाली गयी थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति की भरपाई के लिए अलग भाँति के अल्प पाटनरोधी शुल्क पर्याप्त होगा।
- (ix) जाँच 1 जनवरी, 2004 से 30 जून, 2006 तक की अवधि (पीओआई) शामिल थी। क्षति विश्लेषण के संबंध में हड़ानों की जाँच में अप्रैल, 2003-मार्च, 2004, अप्रैल, 2005 और अप्रैल, 2005 और 2006 और जाँच अवधि शामिल थी।
- (x) प्राधिकारी ने संगत सूचना प्राप्त करने के लिए नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी। तथापि, संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु के किसी भी निर्यातक से

प्रश्नावली का उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। उत्तर प्रस्तुत करने के लिए समय विस्तार लेने के बाद मै0 कुम्हो पी एंड बी केमिकल्स, कोरिया आर.ओ.के. ने कहा कि कुम्हो ने जाँच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु नहीं भेजी थी। दिनांक 13.11.2007 को एलजीकेम लि0 ने नियातक प्रश्नावली में सूचना प्रस्तुत करने के लिए 40 दिनों के समय की माँग की थी। तथापि, निर्यातक के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया गया था क्योंकि सूचना प्रस्तुत करने के लिए अनुमत समय समाप्त हो चुका था। कोरिया से 1015 मी. टन एसीटोन के संबंध में मै0 मित्सुई एंड कं0 लि0, कोरिया आर.ओ.के. ने कहा कि कम्पनी इस सौदे में शामिल नहीं थी और उसने केवल टैंक टर्मिनल, जो एशिया को वितरण हेतु मित्सुई के टैंक हैं, को कार्गो-इन-आउट अनुसूची प्रदान की थी। कम्पनी द्वारा कोई और सूचना नहीं दी गई है।

- (xi) 40 दिनों का समय देते हुए नियम 6(4) के अनुसार अपेक्षित सूचना की माँग करते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों तथा उपभोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई थी। आयातक के रूप में मै0 कुदंन राइस मिल्स लि0 द्वारा 14.11.2007 अर्थात् अनुमत समय से काफी अंतराल के बाद उत्तर प्रस्तुत किया गया था। अनुमत समय के बाद प्रस्तुत किए जाने के कारण उस उत्तर पर विचार नहीं किया गया था। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के किसी अन्य आयातक से प्रश्नावली का उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।
- (xii) हितबद्ध पक्षकारों की सुनवाई के लिए प्राधिकारी ने 08.02.08 को सार्वजनिक सुनवाई की। सार्वजनिक सुनवाई में उपस्थित पक्षकारों से उनके द्वारा मौखिक रूप से प्रस्तुत विचारों को लिखित में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस जाँच परिणाम में हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त अभ्यावेदनों पर विचार किया है।
- (xiii) नियमों के नियम 16 के अनुसार इन जाँच परिणामों के लिए विचार किए गए आवश्यक तथ्यों/आधार को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों पर प्रकट किया गया था तथा उस पर प्राप्त टिप्पणियों पर इन जाँच परिणामों में विधिवत विचार भी किया गया है।
- (xiv) **** से इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का पता चलता है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है।

५. विचाराधीन उत्पाद

6. विचाराधीन उत्पाद “एसीटोन” है।

7. एसीटोन एक कार्बनिक रसायन है जिसे डाई-मिथाइल कीटोन के नाम से भी जाना जाता है और इसका प्रयोग बल्क भेषजों, कृषि रसायनों, रंजक सामग्रियों, कुछेक विस्फोटकों तथा निम्नस्तरीय रसायनों के विनिर्माण में किया जाता है। एसीटोन सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय-29 के तहत उप-शीर्ष स. 29141100 के अंतर्गत वर्गीकृत है।

8. यह एक आधारभूत कार्बनिक रसायन है जिसका उत्पादन एकल ग्रेड में होता है। यह एक रंगहीन तरल है जिसमें ईथर जैसी गंध होती है। इसका प्रयोग विलायक या फिर मध्यवर्ती के रूप में अनेक कार्बनिक संश्लेषणों में होता है। इसका प्रयोग बल्क भेषजों, कृषि रसायनों, रंजक सामग्रियों, कुछेक विस्फोटकों तथा निम्नस्तरीय रसायनों के विनिर्माण में किया जाता है। एसीटोन का प्रयोग विशेष रूप से आइसोफोरोन, डाईएसीटोन, मिथाइल मिथाक्राइलेड तथा बाईस्फेनॉल ए के विनिर्माण में होता है।

इसके अतिरिक्त, इसका प्रयोग कुछेक रबड़ रसायनों या ऑक्सी एसीथाइलीन सेल्युलोस एसीटेट के विनिर्माण में होता है।

ख.1 समान वस्तु

9. घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित “एसीटोन” विचाराधीन उत्पाद के समान है, अतः इस जांच के प्रयोजनार्थ उसे समान वस्तु माना जा रहा है।

ग. घरेलू उद्योग की स्थिति तथा जाँच की शुरुआत

10. यह आवेदन मै. हिन्दुस्तान ऑर्गेनिक केमिकल्स लि०, मुम्बई तथा मै. शेनफटेडी इंडिलिया लि० (अब एसआई-इंडिया प्रा० लि० के नाम से ज्ञात), मुम्बई द्वारा प्रस्तुत किया गया था, जो भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादक हैं। आवेदक भारत में संबद्ध वस्तु के 100% का उत्पादन करते हैं, इसलिए, वे भारतीय पाटनरोधी नियम के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग का निर्माण करते हैं। घरेलू उद्योग द्वारा यह सूचित किया गया है कि उत्पादकों द्वारा जांच अवधि के दौरान शर्करा/एल्कोहल मार्ग से एसीटोन का उत्पादन नहीं किया गया था।

ग.1 मै० एसआई ग्रुप-इंडिया लि० द्वारा किए गए आयात

11. जाँच अवधि के दौरान मै. एसआई ग्रुप-इंडिया लि० ने **** मी. टन एसीटोन का आयात किया था। कम्पनी ने उल्लेख किया है कि मुख्य रूप से आयातित एसीटोन से विनिर्मित वस्तुओं के निर्यात के लिए शुल्क छूट स्कीम के अंतर्गत आयात किए गए थे। सत्यापन प्रक्रिया के दौरान यह सत्यापित किया गया था कि कम्पनी ने शुल्क छूट स्कीम के अंतर्गत **** मी. टन का आयात किया था और उस पर एसीटोन से उत्पादित उत्पादों के निर्यात का दायित्व था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि शुल्क छूट स्कीम के अंतर्गत किए गए आयात कुल आयात का 83% थे और वे निर्यात हेतु अन्य उत्पादों के विनिर्माण के निमित्त और न कि देश में खपत हेतु थे। अतः प्राधिकारी मानते हैं कि मै० एसआई-ग्रुप इंडिया लि० द्वारा किए गए आयात से वह घरेलू उद्योग का एक भाग होने के लिए अपात्र नहीं हो जाते हैं।

12. मै० पॅरासोल केमिकल लि० द्वारा यह कहा गया है कि निर्यात के प्रयोजन से किए गए आयातों से संबंधित दस्तावेजों का सत्यापन किया जाए। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि जिन दस्तावेजों के तहत आयात किए गए थे, उनका सत्यापन कर लिया गया है।

घ. अन्य अभ्यावेदन तथा उठाए गए मुद्दे

घ.1 कोरिया आर.ओ.के. से न्यूनतम से कम आयातों का मुद्दा

13. कोरिया आरओके सरकार द्वारा यह निवेदन किया गया था कि कोरिया के मूल के एसीटोन आयातों को नगण्य माना जाए क्योंकि ये आयात जाँच अवधि के दौरान हुए कुल आयातों के 3% से कम हैं। यह उल्लेख किया गया था कि कोरियाई अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एसोसिएशन के अनुसार कोरिया से 1959 मी. टन का निर्यात हुआ था, न कि याचिकाकर्ता द्वारा किए गए प्रस्ताव के अनुसार 2974 मी. टन का। यह भी उल्लेख किया गया था कि मित्सुई कोरिया कं० लि० द्वारा अमेरिका से आयात के बाद

शेष 1015 मी. टन का भारत को पुनर्निर्यात किया गया था। यह कहा गया था कि कोरिया आरओके के उत्साह सीमाशुल्क कार्यालय द्वारा इसकी पुष्टि की गई थी। यह भी कहा गया था कि भारतीय बाजार में आयातों में कोरिया का हिस्सा 2.93% बनता है जिसे न्यूनतम से कम माना जाना चाहिए।

14. न्यूनतम से कम के मुद्दे पर मै0 कुम्हो पी एंड वी केमिकल्स द्वारा यह कहा गया था कि “कोरियाई दूतावास द्वारा प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार कोरिया में उत्पादित लगभग 959 मी. टन एसीटोन का जाँच अवधि के दौरान जून, 2006 में निर्यात किया गया था। वर्ष 2005 और/या 2006 में हुए अन्य निर्यात जाँच अवधि से बाहर थे। ये न्यूनतम से कम की सीमा से बहुत कम हैं।” यह भी कहा गया था कि यानान्तरित सामग्री को कोरिया से कुल आयातों से बाहर रखा जाए, तथापि, यदि उसे किसी कारण से अलग नहीं भी किया जाता है तो भी जाँच अवधि के दौरान कोरिया से कुल 1964 मी. टन के आयात हुए थे जो भारत में कुल आयातों के 3% से कम अर्थात् न्यूनतम से कम थे।

15. यह भी उल्लेख किया गया है कि रिलायंस उद्योग लि0 बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी (सिविल अपील सं0 2001 का 1294) मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्णय की दृष्टि से केवल एक सामान्य मूल्य संभव है। जबकि, यानान्तरित सामग्री के मामले में सामान्य मूल्य अलग और उद्गम के देश पर आधारित होगा। इससे दो सामान्य मूल्यों का सुझाव मिलता है “इसलिए उक्त रिलायंस संबंधी निर्णय की दृष्टि से माननीय प्राधिकारी द्वारा इस मामले में उक्त अधिनियम की धारा 9क(1) (ग) और उसके उपबंधों में किए गए निर्धारण के अनुसार कोरिया में उत्पादित और वहाँ से यानान्तरित एसीटोन के लिए अलग-अलग सामान्य मूल्यों का निर्धारण करना संभव नहीं होगा।”

प्राधिकारी द्वारा जाँच

16. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जाँच अवधि के दौरान कोरिया आरओके से 2974 मी. टन का आयात हुआ जिसमें 1015 मी. टन यानान्तरित सामग्री शामिल है। उसी अवधि के दौरान कुल 63371 मी. टन का आयात हुआ। यानान्तरित सामग्री को छोड़कर और उसे शामिल करके भी कोरिया आरओके से हुए आयात प्रतिशत के रूप में कुल आयातों के 3% से अधिक थे। इसलिए, आयात न्यूनतम से अधिक थे। अलग सामान्य मूल्य के मुद्दे के संबंध में यह नोट किया गया है कि धारा 9क (i) (ख) के उपबंध में विशेष रूप से ऐसी प्रक्रिया का प्रावधान है जिससे यानान्तरित सामग्री हेतु सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जाता है।

17. प्रकटन विवरण के मुद्दे के बाद मै0 पारासोल केमिकल्स लि0 द्वारा कहा गया है “कि न्यूनतम से कम का दर्जा सुनिश्चित करने के लिए वार्षिक प्रतिशत आँकड़ों पर विचार किया जाए, न कि क्षति की अलग से चुनी गई अवधि पर।” यह भी कहा गया है “कि न्यूनतम से कम की स्थिति सुनिश्चित करते समय कोरिया आरओके से याचिकाकर्ता द्वारा आयातों पर विचार न किया जाए क्योंकि उल्लिखित परिस्थितियों में दोनों याचिकाकर्ताओं को संयंत्र के बंद होने की स्थिति का सामना करना पड़ा था और अतः वे स्वयं ही सबसे बड़े आयातक थे।” इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी ऐसे नियम या

तर्कसंगत कारण, जिनके तहत इन कथनों की जाँच किया जाना अपेक्षित है, का उल्लेख किए बिना ये उल्लेख किए गए हैं। अतः, प्राधिकारी मानते हैं कि नियमों तथा पाटनरोधी करार के अनुसार देश की न्यूनतम से कम स्थिति पर उचित निर्णय लिया गया है।

घ.2 मै0 कुदंन राइस मिल्स लि0 द्वारा किए गए निवेदन

18. मै0 कुदंन राइस मिल्स लि0 ने अपने दिनांक 2.11.2007 के पत्र के जरिए निवेदन किया था कि मै0 कुम्हो पी एंड बी केमिकल्स को जाँच की शुरुआत के बारे में अधिसूचित नहीं किया गया है। यह अनुरोध किया गया था कि मै0 कुम्हो पी एंड बी केमिकल्स निर्यातक और मै0 कुदंन राइस मिल्स लि0, आयातक को अपना अभ्यावेदन तैयार करने का अवसर एवं 4 सप्ताह का समय प्रदान किया जाए। तत्पश्चात्, 14 नवम्बर, 2007 को मै0 कुदंन राइस मिल्स लि0 ने आयातक प्रश्नावली के संबंध में अपना उत्तर प्रस्तुत किया था। दिनांक 20.11.2007 के पत्र के जरिए व्यक्तिगत सुनवाई हेतु अनुरोध किया गया था। उस पर स्वीकृति दी गई थी और प्राधिकारी ने व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर प्रदान किया था। इसी बीच मै0 कुदंन राइस मिल्स लि0 ने दिल्ली उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका (रिट याचिका (सिविल) सं० 8817/2007) भी दायर की जिसका निपटान 13.12.2007 को हो गया था। श्री सतीश कुमार, प्रबंधक, मै0 कुदंन राइस मिल्स लि0 दिनांक 9.11.2008 को व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए थे। उन्हें सूचित किया गया था कि उनके द्वारा अनुमत अवधि के बाद प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया गया था, तथापि उन्हें सार्वजनिक सुनवाई, जिसका आयोजन किया जाना था और जिसमें सभी हितबद्ध पक्षकार उपस्थित होंगे, में निवेदन करने की सलाह भी दी गई थी। दिनांक 8.2.2008 को सार्वजनिक सुनवाई की गई थी। तथापि, सार्वजनिक सुनवाई में कम्पनी का कोई प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुआ था। आयातक प्रश्नावली के अनुशीलन पर यह पाया गया था कि कुल आयातों का ब्यौरा देते समय कोरिया आरओके से आयात किए जाने का दावा किया गया था। तथापि, सौदेवार ब्यौरे में संबद्ध देश से कोई आयात सौदा नहीं दर्शाया गया है।

19. प्रकटन विवरण दिनांक 2.4.2008 को जारी किया गया था, प्रकट किए गए तथ्यों पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है बल्कि एसीटोन की माँग, आपूर्ति, आयात तथा अंतिम उपयोग के संबंध में वर्तमान स्थितियों पर नई टिप्पणियाँ की गई हैं और यह कहा गया है कि एसीटोन के आयातों पर कोई पाटनरोधी शुल्क न लगाया जाए। इस संबंध में प्राधिकारी का मत यह है कि प्रकटन विवरण, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा पहले से प्रस्तुत तथ्यों पर टिप्पणियाँ माँगने के लिए जारी किया जाता है, न कि नए अभ्यावेदन प्राप्त करने के लिए, इसलिए कथनों की जाँच नहीं की गई है।

तथापि क्षाति विश्लेषण में क्षाति तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षाति से संबंधित मुद्दे के बारे में आंकड़े तथा तर्क एकत्र किए जा चुके हैं।

मै0 कुम्हो पी एंड बी केमिकल्स द्वारा उठाया गया मुद्दा

20. प्रकटन विवरण के बाद मै0 कुम्हो पी एंड बी केमिकल्स ने आपत्तियाँ जाहिर की हैं तथा संशोधित आंकड़ों के आधार पर कतर से हुए आयातों को शामिल न किए जाने के संबंध में प्रश्न उठाया है और कहा है कि निर्यातक स्पष्ट रूप से खरीदे गए (डी जी सी आई एंड एस टैरिफों के अनुसार) संशोधित आयात आंकड़ों के आधार पर कतर से आयातों को शामिल न किए जाने के संबंध में माननीय प्राधिकारी द्वारा स्पष्ट स्वीकृति दिए जाने से आश्चर्यचकित है। उक्त जाच में इसे शामिल न किए जाने के लिए प्रथम दृष्टया कोई आधार नहीं है।" यह भी कहा गया है कि "एन सी

वी डी आई प्रस्तुतियों के अनुसार उसी टैरिफ कोड में कतर से एक अन्य उत्पाद की ऐसीटोन के रूप में अनुचित प्रविष्टि की गई थी।" और "सार्वजनिक फाइल में ऐसा कोई तथ्य नहीं है जिससे यह लक्षित हो कि क्या माननीय प्राधिकारी ने यह जाँच की है कि जिस कंपनी ने अमोनिया का आयात किया, वह सामान्यतः एसिटोन या अमोनिया का आयात करती थी या नहीं।" इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने जाँच की शुरुआत हेतु आवेदन प्रस्तुत करते समय डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त आंकड़े प्रस्तुत किए थे। इसके बाद घरेलू उद्योग ने कतर द्वारा किए गए आयातों के संबंध में डी जी सी आई एंड एस से स्पष्टीकरण मांगा था। रिकॉर्डों की जाँच करने के बाद डी जी सी आई एंड एस ने सूचित किया कि कतर से एसिटोन का आयात नहीं किया गया था। तत्पश्चात प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस से स्पष्टीकरण मांगा और इस बात की पुष्टि की गई कि कतर से किए गए आयात वास्तव में अमोनिया के थे और आंकड़ों में संशोधन कर लिया गया है। संबंधित पत्र सार्वजनिक फाइल में रख दिए गए थे। जाँच के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी डी जी सी आई एंड एस से निजी रूप से प्राप्त किए गए आयात आंकड़ों पर निर्भर रहे हैं। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि दिनांक 4.1.2008 को अधिसूचित एसिटोन से संबंधित एक अन्य जाँच में विश्लेषण के प्रयोजनार्थ संशोधित आयात आंकड़ों का प्रयोग किया गया था।

21. मै0 कुम्हो पी एंड बी केमिकल्स ने रूस के संबंध में जाँच समाप्त किए जाने के संबंध में भी आपत्ति जाहिर की है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि जाँच की समाप्ति घरेलू उद्योग के अनुरोध पर नियम 14(क) के अनुसार की गई थी। यह भी कहा गया है कि जाँच करने हेतु समयावधि कानून के अनुसार नहीं बढ़ाई गई थी। अन्य प्रमुख न्याय क्षेत्रों में सुरथापित पद्धति है कि जनता को जाँच के विस्तारण की अधिसूचना मूल जाँच की समाप्ति की तारीख से पहले दी जाती है न कि जाँच की अंतिम तारीख के बाद प्राधिकृत प्रतिनिधियों को ई-मेल द्वारा या मौखिक रूप से। "इसलिए विधितः 11 फरवरी, 2008 के बाद इन जांचों में हुई जाँचवाई गैर-कानूनी है और कुम्हो ने केवल अत्यंत सावधानीपूर्वक विरोध द्वारा इसमें सहभागिता की है जो किसी भी रूप में इस गैर कानूनी प्रक्रिया की मौन स्वीकृति के रूप में नहीं थी।" इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि सक्षम प्राधिकारी द्वारा जाँच समाप्त करने के लिए समयावधि को बढ़ाया गया था। संबंधित दस्तावेज सार्वजनिक फाइल में रखा गया था और समयावधि बढ़ाए जाने से संबंधित सूचना दिनांक 4.2.2008 के पत्र द्वारा सभी हितबद्ध पक्षकारों और उनके वकीलों को भी दी गई थी।

घ.3 गोपनीयता

22. इस मामले में प्राधिकारी ने ग्राहकों से संबंधित आंकड़ों, कीमत तथा लागत निर्धारण को गोपनीय माना है क्योंकि इनके प्रकटन से अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिल सकता है। घरेलू उद्योग की संख्या से जुड़े आंकड़े (सभी उत्पादकों को मिलाकर) गोपनीय नहीं माने गए हैं।

ड. पाटन मार्जिन के आकलन हेतु पद्धति

ड.1 कोरिया - आर ओ के हेतु सामान्य मूल्य

23. दावा किया गया है कि कोरिया आर ओ के से निर्यातों का 1015 मी.टन यानान्तरित सामग्री थी जिसका उद्गम यू एस ए से हुआ था। इस संबंध में प्राधिकारी ने नोट किया था कि आयातकों, जिन्होंने उसी उत्पाद की जाँच में सहयोग किया था, के आंकड़े दिनांक 4.1.2008 तक के लिए थे और ये सौदे कोरिया आर ओ के से किए गए दर्शाए गए थे। अतः प्राधिकारी ने ऐसे दावे वाली यानान्तरित सामग्री हेतु पृथक सामान्य मूल्य निर्धारित नहीं किया है।

24. किसी भी निर्यातक ने जाँच शुरूआत अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है और न ही कोई सूचना प्रस्तुत की है। किसी भी आंकड़े के अभाव में प्राधिकारी सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु पाटनरोधी नियमों के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों पर निर्भर रहे हैं। सामान्य मूल्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर तय किया गया है। सामान्य मूल्य तय करने के लिए बेंजीन की कीमत डी जी सी आई एस के आंकड़ों से तथा प्रॉपिलीन की कीमत आई सी आई एस एल ओ आर, एशिया से ली गई है। घरेलू उद्योग के कुशल उत्पादक के खपत मानकों तथा एस आई ओ एन पर भरोसा किया गया है। उपयोगिता हेतु बिजली को छोड़कर कुशल उत्पादक के खपत मानक तथा कीमतें ली गई हैं और बिजली के लिए दर निर्यातक देश में बिजली दर की उपलब्ध सूचना के अनुसार ली गई है। परिवर्तन लागत और ब्याज सहित एस जी ए घरेलू उद्योग के कुशल उत्पादक के अनुसार रखी गई है। उत्पादन की लागत पर 5 प्रतिशत की दर से लाभ रखा गया है। इस पद्धति को अपनाकर थोक सामग्री हेतु निर्धारित सामान्य मूल्य को *** अम.डा. प्रति मी.टन के रूप में आकलित किया गया है।

ड.2 असहयोगी निर्यातकों हेतु निर्यात मूल्य

25. कारखाना द्वार निर्यात कीमत के आकलन के लिए कोरिया-आर ओ के के संबंध में डी जी सी आई एंड एस द्वारा दिए गए आंकड़ों का सहारा लिया गया है। डी जी सी आई एंड एस के आंकड़े जाँच अवधि के दौरान थोक सामग्री के निर्यातों को दर्शाते हैं। कारखाना द्वार निर्यात कीमत तय करने के लिए 50 अम.डा.प्रति मी.टन की दर से समुद्री भाड़ा, 0.25 प्रतिशत की दर से समुद्री बीमा, 1 प्रतिशत की दर से अंतर्देशीय भाड़ा, 0.5 प्रतिशत की दर से पत्तन व्यय, 0.5 प्रतिशत की दर से बैंक प्रभार पर समायोजन किए गए हैं। उपर्युक्त पद्धति को अपनाकर थोक सामग्री हेतु कारखाना द्वार निर्यात कीमत *** अम.डा. प्रति मी.टन के रूप में आकलित की गई है।

ड.3 पाटन मार्जिन

26. ऊपर यथानिर्धारित सामान्य मूल्यों तथा निर्यात कीमतों के आधार पर असहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन 32.77 प्रतिशत तय किया गया है। इस प्रकार निर्धारित पाटन मार्जिन महत्वपूर्ण तथा न्यूनतम से अधिक है।

च. क्षति निर्धारण तथा कारणात्मक संबंध की जाँच हेतु पद्धति

च.1 घरेलू उद्योग के विचार

27. घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार हैं :-

(क) वर्ष 2004-05 में काफी वृद्धि दर्शाने के बाद घरेलू उद्योग की बिक्री में अत्यधिक गिरावट आई। यह देखने में आया कि सापेक्ष रूप में आयात मात्रा में वृद्धि हुई जबकि घरेलू उद्योग की बिक्री में गिरावट आई। आयात की मात्रा, आयात कीमत, बिक्री की मात्रा तथा घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से के बीच सीधा संबंध है। पाटित कीमतों पर सामग्री की उपलब्धता के कारण आयात की मात्रा में वृद्धि हुई परिणामतः घरेलू उद्योग की बिक्री में गिरावट आई।

(ख) लाभ:- घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में अत्यधिक कमी आई है। यहाँ तक कि जब घरेलू उद्योग ने अपना बाजार बनाए रखने का प्रयास किया तो लाभ के रूप में उसका प्रभाव अत्यधिक प्रतिकूल था जो लाभ की स्थिति से अत्यधिक वित्तीय हानि की स्थिति में पहुँच गया। घरेलू उद्योग

की लाभप्रदता में गिरावट समूची जाँच अवधि में जारी रही। यदि तिमाही-दर-तिमाही आधार पर घरेलू उत्पादन के निष्पादन की जाँच की जाए तो प्रत्येक तिमाही में उसमें गिरावट आई है।

(ग) यह उल्लेख करना उचित होगा कि ब्याज लागतों में अत्यधिक कटौती के बाद भी लाभों में अत्यधिक गिरावट हुई है। दूसरे शब्दों में जहाँ ब्याज लागतों में कटौती के कारण लाभ में सुधार होना चाहिए था वहीं लाभ में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग के रोजगार स्तर में गिरावट आई है।

(घ) उत्पादकता:- घरेलू उद्योग की उत्पादकता में गिरावट आई है। याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि पाटन का प्रतिकूल प्रभाव इतना अधिक है कि उत्पादन प्रक्रिया की विशिष्ट प्रकृति के बावजूद घरेलू उद्योग की उत्पादकता पर प्रभाव पड़ा है। उत्पाद का कोई भी उत्पादक उत्पादन बढ़ाना चाहेगा। इस प्रकार के उद्योग में उत्पादन प्रतिबंध/स्थगन पूर्णतः असामान्य हैं। तथापि पाटन का प्रभाव इतना अधिक रहा है कि घरेलू उद्योग उत्पादन में कटौती करने के लिए बाध्य हो गया है।

(ङ.) लगाई गई पूंजी पर आय:- निवेश पर आय के आकलन के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ताओं ने ब्याज तथा करों से पूर्व स्थायी परिसंपत्तियों तथा कार्यशील पूंजी और लाभ पर विचार किया है। सूचना से घरेलू उद्योग के निष्पादन, जो धनात्मक आय से ऋणात्मक आय की स्थिति में पहुँच गया है, में अत्यधिक ह्रास लक्षित होता है। निवेश पर आय में गिरावट लाभों में गिरावट का प्रत्यक्ष परिणाम है।

(च) उत्पादन तथा क्षमता उपयोग:- घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तु¹ के उत्पादन के लिए अपनी क्षमता बनाए रखी। तथापि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के अत्यधिक दबाव के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को उत्पादन में कटौती करनी पड़ी जिसके कारण क्षमता उपयोग में गिरावट आई।

(छ) घरेलू उद्योग द्वारा ईष्टतम से कम कीमत देने का निर्णय लेने के बावजूद घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट आई।

(ज) वस्तु सूचियाँ - घरेलू उद्योग के वस्तु सूची स्तर में वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग द्वारा निम्नतर कीमतें देने के बावजूद वस्तुसूचियों में वृद्धि। जहाँ घरेलू उद्योग की वस्तु सूचियाँ 3 दिन की बिक्री के बराबर थीं वहीं वह प्रस्तावित जाँच अवधि के दौरान बढ़कर 17 दिन से अधिक हो गई थीं।

(झ) देतन एवं पारिश्रमिक: घरेलू उद्योग के वेतन तथा पारिश्रमिक में वृद्धि हुई है।

(ञ) नकद लाभ:- घरेलू उद्योग के लाभों में ह्रास से घरेलू उद्योग के नकद लाभ प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुए जिससे नकद प्रवाह पर सीधा प्रभाव पड़ा। याचिकाकर्ताओं ने विचाराधीन उत्पाद से नकद लाभों और कंपनी के नकद प्रवाह का समग्र रूप से निर्धारण किया है।

(ट) माँग तथा बाजार हिस्सा:- जहाँ आयातों के बाजार हिस्सों में वृद्धि हुई है वहीं घरेलू उद्योग के बाजार हिस्सों में गिरावट आई है।

(ठ) वृद्धि:- विभिन्न मानदंडों के अनुसार घरेलू उद्योग की वृद्धि में नकारात्मक प्रवृत्ति दिखाई देती है।

28. अतः यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। अतः यह निष्कर्ष दिया जा सकता है कि घरेलू उद्योग मात्रात्मक प्रभाव तथा कीमत प्रभाव के दुष्प्रक्र में फंसा है। पहले विदेशी उत्पादकों की अत्यधिक क्षमता के कारण संबद्ध देशों से भारत में संबद्ध वस्तु के आयातों में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग को बिक्री में हानि तथा बाजार हिस्से में हानि का सामना करना पड़ा। परिणामतः प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव पड़ा। बिक्री में इस हानि से घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु बेचने के लिए अपनी घरेलू बिक्री कीमत घटाने को बाध्य हो गया। इसके परिणामस्वरूप प्रतिकूल कीमत प्रभाव पड़ा। निर्यातकों ने बिक्री कीमत में और अधिक कटौती की जिसके कारण घरेलू उद्योग ने बिक्री कीमत को और कम किया तथा यह प्रक्रिया जारी है। परिणामतः निर्यातक देशों की विकृत तथा अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव और प्रतिकूल कीमत प्रभाव का सामना करना पड़ा।

च.2 वास्तविक क्षति का खतरा

29. घरेलू उद्योग द्वारा पहले से वास्तविक क्षति का सामना करने के अतिरिक्त संबद्ध देशों से आयात से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति का खतरा पैदा हो रहा है।

30. जैसा कि संलग्न प्रोफार्मा से स्पष्ट है और जैसा कि आयात की मात्रा में वृद्धि से लक्षित होता है, आयातों की मात्रा में सापेक्ष रूप से अत्यधिक वृद्धि हुई है। आयातों में वृद्धि घरेलू उद्योग द्वारा अपने माल को ईष्टतम से कम कीमतों पर बेचने के अथक प्रयासों के बावजूद हुई है। यदि घरेलू उद्योग कम कीमतें लगाकर आयातों को नियंत्रित करने का प्रयास नहीं करता तो आयातों में हुई वृद्धि और अधिक होगी।

31. जैसाकि संलग्न प्रोफार्मा से स्पष्ट है, अत्यधिक कीमत कटौती हुई है। किसी भी समय पर और समान कीमतें लगाने के बावजूद घरेलू उत्पाद और आयातित उत्पाद के बीच स्पष्ट कीमत अंतर है। शामिल उत्पाद की प्रकृति को देखते हुए घरेलू उत्पाद और आयातित उत्पाद के बीच कीमत में किसी प्रकार का अंतर उपभोक्ताओं को स्वीकार्य नहीं है और घरेलू उद्योग पर कीमतें कम करने का निरंतर दबाव बना हुआ है। यह नोट किया जाए कि यह ऐसा उत्पाद नहीं है जिसे घरेलू उद्योग आयातित कीमतों से बहुत अधिक कीमतों पर बेच सके। घरेलू उद्योग के पास समान कीमतों पर बेचने का एकमात्र विकल्प मौजूद है। अतः यह नोट किया जाना चाहिए कि इस प्रकार के उत्पाद में कीमत में थोड़ा सा अंतर भी वास्तव में बहुत अधिक होता है।

32. संबद्ध देशों में उत्पादकों द्वारा सृजित क्षमताएँ उनकी अपनी घरेलू माँग से कहीं अधिक हैं। वास्तव में ये उत्पादक बेशी क्षमता से परेशान हैं। ताइवान, कोरिया और यू एस ए में क्षमताएँ क्रमशः 300000 मी.टन, 100000 मी.टन तथा 3175000 मी.टन हैं जो उनके अपने बाजारों में होने वाली खपत से बहुत अधिक हैं। चीन में बेशी क्षमता के कारण उत्पादक अपनी कीमतें कम करने को बाध्य हो गए हैं।

33. यद्यपि घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री कीमतों में अत्यधिक कटौती के बावजूद घरेलू उद्योग की वस्तु सूचियों में वृद्धि लक्षित हो रही है, याचिकाकर्ता यह समझते हैं कि संबद्ध देशों में उत्पादक उच्चतर वस्तु सूचियों के बोझ तले दबे हैं। तथापि इस संबंध में कोई प्रकाशित सूचना उपलब्ध नहीं है और प्राधिकारी से संगत सूचना मंगवाने का अनुरोध किया जाता है।

34. याचिकाकर्ताओं ने संबद्ध देशों से विश्व भर को होने वाले निर्यातों का गहन विश्लेषण किया। घरेलू उद्योग पर होने वाले इसके संभावित प्रभावों के रूप में यह विश्लेषण चौंकाने वाला था। संबद्ध देशों के वैश्विक निर्यात वृद्धि का रुझान दर्शा रहे हैं जो स्पष्ट रूप से विदेशी उत्पादकों की बेसी अप्रयुक्त क्षमताओं को लक्षित करते हैं।

च.3 हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाया गया मुद्दा

मै0 प्रासोल केमिकल्स लि0 द्वारा दी गई प्रस्तुतियाँ

35. याचिकाकर्ताओं ने वर्ष 1999-2000 में रक्षोपाय शुल्क हेतु याचिका दायर की थी। अंतिम निष्कर्षों, जिनके आधार पर रक्षोपाय शुल्क अधिसूचित किए गए थे, में यह स्पष्ट किया गया था कि घरेलू उद्योग द्वारा सकारात्मक समायोजनों को सुकर बनाने हेतु इन लेवियों को उत्तरोत्तर उदारीकृत किए जाने की जरूरत है। घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई समायोजन योजना को भी पूर्णतः स्पष्ट किया गया है।

प्रतिस्पर्धात्मकता को बेहतर बनाने की योजना में निम्नलिखित प्रमुख घटक अनिवार्यतः शामिल थे:-

1. स्थायी लागतों को कम करने हेतु बड़े स्तर पर किफायत।
2. प्रचालन लागतों को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी उन्नयन और गत्यावरोधों को दूर करना।
3. बिजली लागत को कम करने के लिए आबद्ध बिजली का सृजन।
4. बेहतर संभार तंत्र तथा पत्तन अवसंरचना (उद्योग के नियंत्रण से बाहर एकमात्र कदम)।
5. अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी वाले विश्वस्तरीय ग्रीनफील्ड प्लांट की स्थापना।

36. किसी भी याचिकाकर्ता ने समायोजनों के लिए कोई खास कदम नहीं उठाया और वास्तव में सरकार से की गई महत्वपूर्ण प्रतिज्ञा का उल्लंघन किया। इन परिस्थितियों में पाटनरोधी याचिका पर विचार नहीं किया जाना चाहिए था। याचिकाकर्ताओं ने कहा था कि कोरियाई विनिर्माताओं की संयंत्र क्षमता लगभग आधा मिलियन टन प्रतिवर्ष है और यह दोनों याचिकाकर्ताओं की संयुक्त उत्पादन क्षमता से 10 गुना ज्यादा है। यह संभव नहीं है कि याचिकाकर्ता 3 वर्षों की अवधि के लिए रक्षोपाय शुल्क का लाभ उठाने के बाद भी किसी मानक की बराबरी न करें और न ही प्रतिबद्ध सुधारों को लागू करें और अब सुरक्षा के लिए पाटनरोधी शुल्क की माँग करें। गैर-किफायती नियोजन, संयंत्र के आकार तथा असमान प्रक्रिया प्रौद्योगिकियों और प्रचालन स्तरों के कारण हुए नुकसान को पाटन के कारण हुई क्षति नहीं माना जा सकता।

37. अत्यधिक स्थानीय मांग के कारण याचिकाकर्ता फिनाँल/एसिटोन के विनिर्माण में हमेशा लाभ की स्थिति में रहे हैं। एस आई ग्रुप इंडिया लि0 फिनाँल/एसिटोन के विनिर्माण में 5 प्रतिशत शुल्क पर प्रतिवर्ष 10000 मी.टन तक क्यूमीन तथा मध्यवर्तियों का आयात करता रहा है। क्यूमीन आयात पर आधारित फिनाँल/एसिटोन का विनिर्माण लाभप्रद रहा है।

38. क्षति की अवधि - जुलाई, 2005 से मार्च, 2006 (9 माह) तक के दौरान जुलाई, 2005 में बाढ़ के कारण एस आई ग्रुप के लिए प्रचालन लगभग 2 माह के लिए बंद हो गया था। इसी प्रकार कच्चे माल की आपूर्ति में रुकावट, संयंत्र के उन्नयन के कारण एच ओ सी एल संयंत्र प्रभावित हुआ था और संयंत्र 2 माह के लिए बंद हो गया था। ऐसे किसी प्रमुख परिवर्तन के बाद कोई भी

संयंत्र 100 प्रतिशत उत्पादन नहीं कर सकता। पूर्ण उपयोगिता प्राप्त करने के लिए और 6 - 8 सप्ताह का समय लग सकता है। अतः यदि हम यह मानें कि क्षति अवधि के 9 माह में से 3 माह के लिए प्रचालन प्रभावित रहा तो भी इस क्षति का बड़ा कारण असामान्य स्थितियाँ हैं और यह पाटन के कारण होने वाला सामान्य नुकसान नहीं है। अतः क्षति का सही कारण नहीं दिया गया है। इसलिए सभी अनुवर्ती तर्कों पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता नहीं है।

39. एसआई ग्रुप ने अपनी वर्ष 2005-06 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार 8.3 करोड़ रूपए का लाभ गंवाने का दावा किया है, अतः यह कंपनी अपने स्वयं के कथनानुसार लाभ अर्जित कर रही थी; अतः यह नुकसान केवल बाढ़ के कारण हुआ था।

40. वित्तीय वर्ष 2005-06 (जांच अवधि) के दौरान एसआई ग्रुप को जुलाई, 2004 में उक्त क्षेत्र में भारी बाढ़ के कारण उत्पादन में आई 14% की गिरावट के बावजूद 17.62 करोड़ रूपए का प्रचालनात्मक लाभ (पीबीआईडीटी) हुआ था।

41. दोनों याचिकाकर्ताओं का उत्पादन कुल घरेलू मांग का लगभग 40-45% है। ऐसी स्थिति में क्षति नहीं हो सकती और आयात करना अनिवार्यता है और याचिकाकर्ता आयात भी नियमित रूप से कर रहे हैं।

42. एसआई ग्रुप द्वारा एसीटोन का उपयोग अन्य उत्पादों के विनिर्माण में भी किया जाता है। पाटनरोधी शुल्क की परिणति अनुचित व्यापार पद्धति में भी हो सकती है क्योंकि एसआई ग्रुप द्वारा एसीटोन का विनिर्माण तथा उससे विनिर्मित अन्य उत्पादों की बिक्री की जाती है। इसके परिणामस्वरूप एकाधिकार व्यापार होगा और अन्य एसएमई यूनिटों के कीमत समायोजन में अवरोध उत्पन्न होगा।

43. एसआई ग्रुप ने वार्षिक रिपोर्ट में स्वीकार किया है कि एक वर्ष के पश्चात डाई एसीटोन अल्कोहल (डीएए) की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, अतः बाजार में एसीटोन की बिक्री में गिरावट आई।

44. एसआई ग्रुप ने अपने अभ्यावेदन में कहा है कि वे एसीटोन की विनिर्माण लागत को पूरा करने में असमर्थ हैं। विभेदन (एसीटोन तथा फीनॉल का अपरिष्कृत मिश्रण) के चरण तक फीनॉल तथा एसीटोन पर व्यय एक समान होता है और जब फीनॉल को अलग कर लिया जाता है तो एसीटोन सह-उत्पाद के रूप में प्राप्त होता है। अतः विभेदन तक की समस्त लागत का उल्लेख फीनॉल विनिर्माण के अंतर्गत किया जाता है और एसीटोन विनिर्माण के अंतर्गत इसे दोहराया नहीं जाता क्योंकि यह एक सह-उत्पाद है। इसके अलावा फीनॉल तथा एसीटोन दोनों पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जा सकता।

45. एसीटोन पर पाटनरोधी शुल्क के कारण पिछले वर्ष की तुलना में परवर्ती उत्पादों अर्थात् डाई एसीटोन अल्कोहल (डीएए) का आयात 100% तथा आइसोफोरोन का आयात 50% बढ़ गया है जो स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि यदि पाटनरोधी शुल्क कच्चे माल पर लगाया जाए और तैयार उत्पादों पर न लगाया जाए तो स्थानीय एसएमई उद्योग व्यवहार्य नहीं रहेगा। अतः निर्मित वस्तुओं का निर्यात पुरानी कीमतों पर करने के लिए एसीटोन की वैश्विक कीमतें ही उपयुक्त हैं। भारतीय उद्योग हमारे विनिर्माताओं की मांग को पूरा नहीं कर सकता क्योंकि इस समय एसीटोन के परवर्ती उत्पाद भारत में अंतिम प्रयोक्ताओं को कच्चे माल के रूप में आसानी से उपलब्ध हैं।

46. एसीटोन पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद इसकी घरेलू टैरिफ कीमतें पाटनरोधी शुल्क युक्त आयातित पहुंच लागत से बहुत कम रही हैं। अतः एसीटोन का कीमत स्तर पाटनरोधी शुल्क-पूर्व तंत्र की तुलना में कुछ ही अधिक है। याचिकाकर्ताओं को वस्तुतः कोई क्षति नहीं हुई है, जैसा कि उन्होंने दावा किया है, अन्यथा वे पाटनरोधी शुल्क से पूर्व एसीटोन की बिक्री कीमत का स्तर पाटनरोधी शुल्क के पश्चात आयातित एसीटोन की पहुंच कीमत निकट रखते।

47. वर्ष 1997-98 से 2003-04 तक घाटे में निरंतर वृद्धि हुई है और जांच हेतु निर्धारित आधार अवधि प्रारंभ से ही घाटे की अवधि रही है, अतः जांच अवधि के दौरान अधिकतम क्षति प्रदर्शित होगी। एचओसीएल ऐसी कम्पनी है जिसे जांच अवधि से पहले ही बीआईएफआर को संदर्भित कर दिया गया था और संदर्भित करने का कारण निधियों का पूर्ण क्षरण अर्थात् संचयी घाटा था। इससे यह स्पष्ट है कि कम्पनी के निराशाजनक कार्य निष्पादन का कारण उनकी अतिनिहित कठिनाइयाँ थीं, जिसे सरकार की अनेक रिपोर्टों में स्वीकार किया गया है। बीआईएफआर स्कीम के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने के बाद भी कम्पनी अपने व्यावसायिक प्रचालनों में स्थिरता नहीं ला सकी और यह पाटनरोधी आवेदन लाभ प्राप्त करने का एक माध्यम प्रतीत होता है। क्षति परस्पर संबद्ध नहीं है और पाटन को इसका कारण नहीं माना जा सकता बल्कि इसका कारण उनकी स्वयं की अक्षमता है।

48. प्रोसोल केमिकल्स की शुरुआत लघु उद्योग यूनिट के रूप में हुई थी और अब यह एसएमई श्रेणी में आती है। यदि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो इसका लाभ केवल एसीटोन तथा परवर्ती उत्पाद बनाने वाली अपेक्षाकृत बड़ी यूनिटों को होगा और छोटी यूनिटें वंचित रह जाएंगी। सभी आर्थिक नीतियाँ निर्यातानुमुख और छोटी यूनिटों के लिए सहायक होनी चाहिए, न कि बड़ी यूनिटों के लिए। विशेष रूप से, जब स्थानीय उद्योग देश की मांग को पूरा करने में समर्थ नहीं है तब पाटनरोधी शुल्क के संबंध में एसएसई यूनिटों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

49. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा अपने निवेदन में प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया है। जहाँ तक रक्षोपाय शुल्क संबंधी मुद्दे का प्रश्न है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी जांच अन्य देशों के निर्यातकों द्वारा पाटन की अनुचित व्यापार पद्धति के विरुद्ध की जाती है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत पिछली याचिका प्रासंगिक नहीं हो सकती, जब तक यह न दर्शाया जाए कि जांच अवधि के दौरान क्षति पाटित आयातों के कारण नहीं हुई है। जहाँ तक उत्पादन से संबंधित आंकड़ों, लाभ तथा अन्य आर्थिक मानदण्डों, जिनके आधार पर क्षति का विश्लेषण किया जाता है, का संबंध है, प्राधिकारी केवल घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पक्षों के वक्तव्यों पर निर्भर नहीं रहे हैं अपितु उन्होंने समस्त घरेलू उद्योग के संबंध में विचाराधीन उत्पाद से संबंधित सत्यापित आंकड़ों का संज्ञान लिया है। जहाँ तक इस तर्क का संबंध है कि पाटनरोधी शुल्क की परिणति अनुचित व्यापार पद्धति तथा एकाधिकार में होगी, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी जांच पाटित आयातों की अनुचित व्यापार पद्धति के विरुद्ध की जाती है; अतः पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध देशों से निर्यातों को प्रतिबंधित नहीं किया जाता और एकाधिकार स्थापित नहीं होता; बल्कि इसका उद्देश्य केवल पाटित सामग्री के प्रभाव को निष्प्रभावी करना होता है। यह बताया गया है कि एसआई ग्रुप ने बीमे के कारण लाभ गंवाने का दावा किया है। इस संबंध में यह नोट किया गया है कि इस कम्पनी ने पिछली लाभप्रद अवधि के आधार पर बीमे के लाभ का दावा किया है, जबकि क्षति विश्लेषण इस कम्पनी तथा घरेलू उद्योग के वास्तविक आंकड़ों के आधार पर जांच अवधि हेतु किया गया है। जहाँ तक इस मुद्दे का संबंध है कि एचओसीएल को वर्ष 1997-98 से 2002-03 तक संचयी घाटा हुआ था और जांच अवधि से पूर्व ही इसे बीआईएफआर को संदर्भित कर दिया गया था, यह नोट किया गया है कि एचओसीएल की फीनॉल तथा एसीटोन के उत्पादन से सम्बद्ध यूनिट वर्ष 2002 से 2006 तक लाभ अर्जित कर रही थी, हालांकि वर्ष 2005-06 के दौरान लाभ में उल्लेखनीय गिरावट आई। इस संबंध में प्राधिकारी का अभिमत है कि इस कम्पनी को एसआईसीए के अंतर्गत रूपण कम्पनी घोषित करने से यह पाटनरोधी जांच के अंतर्गत राहत प्राप्त करने के लिए अपात्र नहीं होगी।

50. प्रकटीकरण विवरण पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करते हुए मेसर्स प्रेसोल केमिकल्स लि. ने अपने पूर्व निवेदनों को दोहराया और यह भी कहा कि एसआई ग्रुप ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में स्वीकार किया है कि डाई एसीटोन अल्कोहल (डीएए) की बिक्री में उल्लेखनीय हुई है। अतः बाजार में एसीटोन की बिक्री में गिरावट आई है। एसआई ग्रुप द्वारा उत्पादित एसीटोन की गुणवत्ता बेंजीन की कम मात्रा वाले एसीटोन जैसी थी जिसकी जरूरत भेषज उद्योग जैसे बड़े तथा अधिक प्रीमियम देने वाले प्रयोक्ताओं को होती है। अतः उक्त याचिकाकर्ता द्वारा एसीटोन की आबद्ध खपत वाले निर्यातों को आयातित एसीटोन से प्रतिस्थापित कर दिया गया और उच्च गुणवत्ता वाली आयातित लो बेंजीन एसीटोन की सीधी बिक्री घरेलू प्रीमियम बाजार में कर दी गई। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति का विश्लेषण एसीटोन की आबद्ध खपत सहित तथा आबद्ध खपत को छोड़कर किया गया, जिसका प्रयोग अन्य उत्पादों के उत्पादन में किया जाता है। जहां तक एसआई ग्रुप द्वारा लो बेंजीन एसीटोन की अधिक कीमत प्राप्त करने का संबंध है, यदि यह सही है तो इसे निवल बिक्री प्राप्तियों में दर्शाया गया है, क्योंकि विश्लेषण में कम्पनी की भारित औसत बिक्री पर विचार किया गया है।

च.4

51. पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.1 तथा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में (क) पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में समान उत्पादों की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव; तथा (ख) पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संदर्भ में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामतः पड़ने वाले प्रभाव, दोनों की वस्तुनिष्ठ जांच करने का प्रावधान है। प्राधिकारियों से यह जांच करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या निरपेक्ष रूप में अथवा आयातक सदस्य देश में उत्पादन अथवा खपत के सापेक्ष आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहाँ तक पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का प्रश्न है, प्राधिकारियों से यह जांच करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या आयातक देश में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है, अथवा ऐसे आयातों के प्रभाव का उद्देश्य कीमतों में उल्लेखनीय स्तर तक मंदी लाना है अथवा कीमत में वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक हुई होती।

52. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर सम्बद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के प्रभाव तथा क्षति के अस्तित्व एवं पाटन व क्षति, यदि हुई हो, के बीच कारणात्मक संबंध की जांच हेतु उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री कीमत तथा लाभप्रदता पर इसके प्रभाव की जांच की है।

53. चूंकि संबद्ध देशों के निर्यातकों हेतु सकारात्मक पाटन मार्जिन की पुष्टि हुई है, अतः क्षति विश्लेषण एवं कारणात्मक संबंधों की जांच के प्रयोजनार्थ सम्बद्ध देशों के समस्त निर्यातों को पाटित आयात माना गया है।

(क) मात्रात्मक प्रभाव : पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव एवं घरेलू उद्योग पर प्रभाव

54. प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के आयात का सौदेवार ब्यौरा डीजीसीआई एण्ड एस से प्राप्त किया। आंकड़ों के अनुसार संबद्ध देशों से आयात न्यूनतम से अधिक हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातों में संबद्ध देशों का हिस्सा वर्ष 2003-04 में 0.18% था, जो 2005-06 में बढ़कर 3.44% और जांच अवधि में 4.69% हो गया। प्राधिकारी ने देखा कि अन्य देशों (जिन देशों के संबंध में पाटनरोधी

जांच दिनांक 4.1.2008 को समाप्त हुई है, उन्हें छोड़कर) से आयातों का हिस्सा 2003-04 में 10.27% था, जो जांच अवधि में घटकर 7.63% रह गया।

i) आयात की मात्रा एवं संबद्ध देश का हिस्सा

आयात	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई 05- जून 06
कोरिया आरओके (सम्बद्ध देश)	मी. टन	44	0	2141	2974
प्रवृत्ति	Indexed	100	2532	4867	6761
देश, जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है	मी. टन	21757	27920	56609	55562
अन्य देश	मी. टन	2495	1762	3426	4835
कुल आयात	मी. टन	24295	29682	62175	63371
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	122	256	261
आयातों में बाजार हिस्सा					
कोरिया आरओके (सम्बद्ध देश)	%	0.18	0.00	3.44	4.69
देश, जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है	%	89.55	94.06	91.05	87.68
अन्य देश	%	10.27	5.94	5.51	7.63
प्रवृत्ति	%	100.00	100.00	100.00	100.00

ii) माँग, उत्पादन तथा बाजार हिस्सा

ख) माँग में वृद्धि

आबद्ध खपत सहित माँग में वृद्धि

माँग	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई 05- जून 06
घरेलू उद्योग	मी. टन	46636	51567	37751	38314
कुल आयात	मी.टन/ लाख	24295	29682	62175	63371
कुल माँग	मी.टन/ लाख	70931	81250	99926	101685
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	141	143

आबद्ध खपत को छोड़कर माँग में वृद्धि

माँग	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई 05- जून 06
घरेलू उद्योग	मी. टन	41405	50122	36134	37256
कुल आयात	मी.टन/ लाख	24295	29682	62175	63371
कुल माँग	मी.टन/ लाख	65701	79804	98310	100627
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	150	153

54. संबद्ध वस्तुओं की मांग का निर्धारण घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री (आबद्ध खपत सहित) तथा सभी देशों से सभी आयातों का योग करके किया गया है। इन आंकड़ों से यह प्रवृत्ति देखी गई कि संबद्ध वस्तुओं की मांग में आधार वर्ष से जांच अवधि तक वृद्धि होती रही। आधार वर्ष अर्थात् 2003-04 की तुलना में इसमें जांच अवधि के दौरान 43% की वृद्धि हुई।

55. आबद्ध खपत को छोड़कर संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि में भी यही प्रवृत्ति देखी गई है। तथापि आधार वर्ष की तुलना में इसमें 53% की वृद्धि हुई।

(ख) घरेलू उद्योग का उत्पादन

क्षमता	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई 05- जून 06	समायोजित
घरेलू उद्योग	मी. टन	45500	45500	45500	45500	45500
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100	100
क्षमता उपयोग						
घरेलू उद्योग	%	102	114	80	85	91
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	79	83	90
उत्पादन						
घरेलू उद्योग	मी. टन	46422	52036	36477	38736	41569
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	79	83	90

56. क्षमता, उत्पादन तथा क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग के आंकड़ों से ज्ञात होता है कि घरेलू उद्योग की क्षमता वर्ष 2003-04 के दौरान 45500 मी. टन थी और इसमें जांच अवधि के दौरान कोई परिवर्तन नहीं हुआ था। वर्ष 2003-04 के दौरान संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन 46422 मी. टन था और यह वर्ष 2004-05 में बढ़ने के बाद 2005-06 में घटकर 36477 मी. टन रह गया और जांच अवधि के दौरान 38736 मी. टन रहा। प्रवृत्ति यह दर्शाती है कि वर्ष 2004-05 में उत्पादन 12% बढ़ गया और जांच अवधि के दौरान इसमें आधार वर्ष की तुलना में 83% की कमी आई। वर्ष 2003-04 के दौरान घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग 102% था, जो जांच अवधि के दौरान घटकर आधार वर्ष की तुलना में 85% रह गया।

57. मेसर्स एसआई ग्रुप इण्डिया के संयंत्र का प्रचालन अपने क्षेत्र में बाढ़ के कारण जांच अवधि में 49 दिनों के लिए बंद था। क्षमता का उपयोग संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण करते समय 49 दिनों के प्रभाव को शामिल करने के लिए वास्तविक आंकड़ों को तदनुसार समायोजित किया गया है। समायोजित आंकड़े भी वही प्रवृत्ति दर्शाते हैं, तथापि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में 90% की गिरावट आई।

(ग) घरेलू उद्योग की बिक्री

घरेलू बिक्री	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई 05- जून 06
घरेलू उद्योग	मी. टन	41405	50122	36134	37256
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	87	90
आबद्ध खपत सहित घरेलू बिक्री					
घरेलू उद्योग	मी. टन	46636	51567	37751	38314
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	111	81	82

58. बिक्री से संबंधित आंकड़े दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा वर्ष 2003-04 के दौरान 46636 मी. टन की संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की गई और जांच अवधि के दौरान यह मात्रा घटकर 38314 मी. टन रह गई। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री घटकर 82% रह गई। आबद्ध खपत को छोड़कर बिक्री के आंकड़े दर्शाते हैं कि वर्ष 2003-04 के दौरान घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तुओं की 41405 मी. टन मात्रा की बिक्री की, जो जांच अवधि के दौरान घटकर 37256 मी. टन रह गई। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा घटकर 90% रह गई। घरेलू उद्योग की औसत मालसूची दर्शाती है कि वर्ष 2003-04 में औसत स्टॉक 867 मी. टन था और जांच अवधि के दौरान यह बढ़कर 1878 मी. टन हो गया। औसत स्टॉक में 117% की वृद्धि हुई। जहाँ तक बिक्री के दिनों की संख्या का संबंध है, वर्ष 2003-04 में यह 8 दिनों की बिक्री के समतुल्य था और आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान बढ़कर 14 दिन की बिक्री के बराबर हो गया। उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग में आई गिरावट और जांच अवधि के दौरान औसत स्टॉक में हुई वृद्धि सम्बद्ध वस्तुओं की बिक्री में कठिनाई को इंगित करती है।

आबद्ध खपत सहित मांग तथा बाजार हिस्सा

घरेलू बिक्री	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई 05- जून 06
घरेलू उद्योग	मी. टन	46636	51567	37751	38314
कुल आयात	मी. टन	24295	29682	62175	63371
कुल माँग	मी. टन	70931	81250	99926	101685
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	141	143
मांग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग	%	65.75	63.47	37.78	37.68
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	57	57
कोरिया आरओके	%	0.06	0.00	2.14	2.92
संबद्ध देश	%	0.06	0.00	2.14	2.92
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	0	3455	4716
जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू किया गया है	%	30.67	34.36	56.65	54.64
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	185	178
अन्य देश	%	3.52	2.17	3.43	4.75
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	62	97	135
कुल	%	100.00	100.00	100.00	100.00

घ) आबद्ध खपत को छोड़कर मांग तथा बाजार हिस्सा

Domestic Sales	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई 05- जून 06
घरेलू उद्योग	मी. टन	41405	50121	36134	37256
कुल आयात	मी. टन	24295	29682	62175	63371
कुल माँग	मी. टन	65701	79804	98310	100627
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	150	153
मांग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग	%	63.02	62.81	36.76	37.02
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	58	59
कोरिया आरओके	%	0.07	0.00	2.18	2.96

संबद्ध देश	%	0.07	0.00	2.18	2.96
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	0.00	3253	4414
जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू किया गया है	%	33.11	34.99	57.58	55.22
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	174	167
अन्य देश	%	3.80	2.21	3.48	4.80
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	58	92	127
कुल	%	100.00	100.00	100.00	100.00

59. संबद्ध देशों की मांग (आबद्ध खपत सहित) वृद्धि की प्रवृत्ति दर्शाती है। आधार वर्ष तुलना में इसमें जांच अवधि के दौरान 43% की वृद्धि हुई। यह प्रवृत्ति इंगित करती है कि वर्ष 2003-04 में घरेलू उद्योग का हिस्सा 65.75% था, जो जांच अवधि के दौरान घटकर 37.78% रह गया। इसी अवधि में संबद्ध देशों का हिस्सा 2003-04 में 0.06% था, वर्ष 2005-06 में बढ़कर 2.14% तथा जांच अवधि में 2.92% हो गया। अन्य देशों से आयात का हिस्सा भी आधार वर्ष में 3.52% से बढ़कर जांच अवधि में 54.64% हो गया।

60. संबद्ध देशों की मांग (आबद्ध खपत को छोड़कर) भी यही प्रवृत्ति दर्शाती है। आधार वर्ष की तुलना में इसमें जांच अवधि के दौरान 53% की वृद्धि हुई। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि घरेलू उद्योग का हिस्सा जो वर्ष 2003-04 में 63.02% था, जांच अवधि के दौरान घटकर 37.02% रह गया। इसी अवधि के दौरान संबद्ध देशों का हिस्सा, जिनके संबंध में पाटनरोधी जांच दिनांक 4.1.2008 को सम्पन्न की गई, वर्ष 2003-04 में 3.11% था, वर्ष 2005-06 में बढ़कर 57.58% तथा जांच अवधि के दौरान बढ़कर 55.22% हो गया। अन्य देशों का हिस्सा वर्ष 2003-04 में 3.80% था और जांच अवधि के दौरान बढ़कर 4.80% हो गया।

(ख) घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

61. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के आधार पर घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत न्यूनीकरण और कीमत ह्रास, यदि कोई हो, के संदर्भ में जांच की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ, घरेलू उद्योग के उत्पादन की भारित औसत लागत, भारित औसत निवल बिक्री वसूली (एनएसआर) और क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) की संबद्ध देश से आयातों की पहुंच लागत के साथ तुलना की गई है।

(i) विचाराधीन अवधि के दौरान निर्यात कीमत का आकलन

निर्यात कीमत (सीआईएफ)	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई 05- जून 06
कोरिया	रु./मी. टन	32410	0	40471	33725
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	0	125	104
देश, जिनके संबंध में पाटनरोधी शुल्क लगाया गया है	रु./मी. टन	26405	39664	36202	32698
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	150	137	124

62. कीमतों संबंधी आंकड़ों से यह पता चलता है कि कोरिया आरओके की कीमतों में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में 4% की वृद्धि हुई है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि कीमतों में 2005-06 में वृद्धि हुई थी और जांच अवधि के दौरान उल्लेखनीय रूप से गिरावट आई।

(ii) कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री के प्रभाव

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई 05- जून 06
बिक्री कीमत-डीआई	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	131	119	113
सीमा शुल्क	%	25	20	14.79	14.17
पहुंच मूल्य					
कोरिया	रु./मी.टन	40594	0	46517	38550
कीमत कटौती	रु./मी.टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%				***
क्षति रहित कीमत	रु./मी.टन				***
कम कीमत पर बिक्री	रु./मी.टन				***
कम कीमत पर बिक्री	%				***

63. घरेलू उद्योग के भारित औसत निवल बिक्री वसूली निर्धारण करने में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित छूटों, बट्टों और कमीशनों तथा प्रदत्त केंद्रीय उत्पाद शुल्क को छूट प्रदान की गई है।

64. बिक्री कीमत की प्रवृत्ति दर्शाती है कि इसमें आधार वर्ष की तुलना में 2003-04 में 31%, 2005-06 में 19% की वृद्धि हुई, तथापि, यह आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 13% बढ़ी। इसी अवधि के दौरान उत्पादन की लागत, आधार वर्ष की तुलना में बढ़कर 2004-05 में 21% और जांच अवधि के दौरान 31% हो गई।

65. कीमत कटौती को जांच की समूची अवधि के दौरान संबद्ध देश से पाटित आयातों के भारित औसत पहुंच मूल्य की इसी अवधि के लिए घरेलू उद्योग के भारित औसत निवल बिक्री वसूली के साथ तुलना करके निर्धारित किया गया है। इस प्रयोजनार्थ आयातों के पहुंच मूल्य को संबद्ध देश से आयात कीमतों के डीजीसीआई एंड एस आंकड़ों में कथित मूल्य में 1% प्रहस्तन प्रभार और लागू मूल सीमाशुल्क को जोड़कर परिकलित किया गया है। संबद्ध देश से कीमत कटौती जांच अवधि के दौरान 1-5% के बीच थी।

66. कम कीमत पर बिक्री के निर्धारण के प्रयोजनार्थ, संबद्ध देश से आयातों की भारित औसत पहुंच कीमत की जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत के साथ तुलना की गई है। यह दर्शाता है कि कम कीमत पर बिक्री 5-10% के बीच थी।

(iii) पाटित आयातों के कीमत न्यूनीकरण और ह्रास संबंधी प्रभाव

67. पाटित आयातों के कीमत न्यूनीकरण संबंधी प्रभाव की उत्पादन लागत, निवल बिक्री वसूली और संबद्ध देश से पहुंच मूल्य के संदर्भ में भी जांच की गई है।

68. उत्पादन की लागत की प्रवृत्ति से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान उत्पादन की भारित औसत लागत में 35% की वृद्धि हुई जबकि जांच अवधि के दौरान बिक्री कीमत में केवल 13% की वृद्धि हुई थी जो यह दर्शाती है कि घरेलू उद्योग, उत्पादन की लागत में वृद्धि के अनुरूप बिक्री कीमत की वसूली नहीं कर सका।

च.4 क्षति संबंधी अन्य मापदण्डों की जांच

69. घरेलू उद्योग की मात्रा और कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और आयातों की मात्रा व मूल्य, क्षमता उत्पादन, क्षमता उपयोग और घरेलू उद्योग की बिक्री जैसे प्रमुख क्षति संबंधी संकेतकों तथा पूर्ववर्ती खण्ड में विभिन्न क्षेत्रों के बाजार हिस्से के साथ मांग की पैटर्न की जांच करने के पश्चात अन्य आर्थिक मापदण्डों जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति की मौजूदगी प्रकट हो सकती है, का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है :

(ii) लाभ तथा नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित प्रभाव

बिक्री (एनएसआर)	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई 05- जून 06	समायोजित
घरेलू उद्योग	रु./मी.टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	131	119	113	113
सीओपी						
घरेलू उद्योग	रु./मी.टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	141	135	135
लाभप्रदता						
घरेलू उद्योग	रु./मी.टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	196	-38	-40	-44
लाभ-पीबीआईटी						
घरेलू उद्योग	रु./लाख	***	***	***	***	***
Trend	सूचीबद्ध	100	216	-19	-21	-27

70. आंकड़ों से प्रदर्शित होता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन की भारित औसत लागत आधार वर्ष की तुलना में बढ़कर 2004-05 में 21%, 2005-06 में 41% और जांच अवधि के दौरान 35% हो गई जबकि भारित औसत निवल बिक्री कीमत बढ़कर 2004-05 में 31%, 2005-06 में 19% और इसी अवधि के दौरान 13% हो गई। लाभ प्रति इकाई जो आधार वर्ष में 100 (सूचीबद्ध) था, 2004-05 में बढ़कर 116% हो गया और जांच अवधि के दौरान 21% की हानि में बदल गया।

(iii) निवेश पर आय और पूंजी जुटाने की क्षमता

परिसम्पत्तियाँ (एनएफए)	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई 05- जून 06	समायोजित
घरेलू उद्योग	रु./लाख	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	105	100	100
लगाई गई पूंजी (एनएफए)						
घरेलू उद्योग	रु./लाख	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	120	115	109	109

पीबीआईटी						
घरेलू उद्योग	रु./लाख	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	216	-19	-21	-27
आरओसीई (एनएफए)						
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	180	-17	-19	-25

71. लगाई गई पूंजी संबंधी आंकड़े दर्शाते हैं कि इसमें आधार वर्ष की तुलना में 2004-05 में 20%, 2005-06 में 15% और जांच अवधि के दौरान 9% की वृद्धि हुई। लगाई गई पूंजी में वृद्धि मुख्यतः कार्यशील पूंजी की वजह से थी। लगाई गई पूंजी पर आय जमा 2003-04 में 100 (सूचीबद्ध) का आधार में 2004-05 में 80% की वृद्धि हुई और यह जांच अवधि के दौरान -19% में परिवर्तित हो गया।

i) उत्पादकता

72. प्रति कर्मचारी उत्पादन संबंधी आंकड़े प्रदर्शित करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 86% तक गिरावट के पहले उत्पादकता में 2004-05 में 14% की वृद्धि हुई थी।

रोजगार और मजदूरी

कर्मचारी	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई 05- जून 06
घरेलू उद्योग	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	98	97
वेतन और मजदूरी					
घरेलू उद्योग	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	121	135

73. एसीटोन और फीनॉल का एक ही प्रक्रिया में एक साथ उत्पादन किया जाता है। इसलिए कर्मचारी की संख्या और उनकी मजदूरी को संयंत्र के लिए समग्र रूप से लिया गया है। रोजगार स्तर में महत्वपूर्ण परिवर्तन प्रदर्शित नहीं होते हैं। सूचीबद्ध रूप में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 97% की गिरावट आई। मजदूरी में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 35% की बढ़ोतरी हुई।

(viii) मालसूची

औसत मालसूची	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जुलाई 05- जून 06
डीआई	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	113	217

74. आंकड़े प्रदर्शित करते हैं कि औसत मालसूची आधार वर्ष के 100 से जांच अवधि के दौरान लगभग दोगुनी हो गई। स्टॉक 2003-04 में बिक्री के 8 दिनों के समतुल्य था और इसमें जांच अवधि के दौरान 14 दिनों के समतुल्य की वृद्धि हुई।

वृद्धि

75. मांग में वृद्धि वर्ष-दर-वर्ष आधार पर आधार वर्ष से जांच अवधि तक सकारात्मक प्रवृत्ति दर्शाती है। उत्पादन में वृद्धि और बिक्री 2004-05 में सकारात्मक, 2005-06 में नकारात्मक और जांच अवधि के दौरान सकारात्मक थीं। उत्पादन की लागत में 2004-05 और 2005-06 में सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित

होती है। तथापि यह जांच अवधि में नकारात्मक थी। बिक्री कीमत की वृद्धि 2004-05 में सकारात्मक और 2005-06 व जांच अवधि में नकारात्मक प्रवृत्ति दिखाई देती है। लाभ की वृद्धि में 2004-05 में सकारात्मक और 2005-06 और जांच अवधि में नकारात्मक प्रवृत्ति दिखाई देती है।

(v) निवेश

76. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने आधार वर्ष से जांच अवधि तक संबद्ध वस्तु की क्षमता में परिवर्तन नहीं किया था। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा कोई नया निवेश नहीं किया गया है और आगे निवेश के लिए, जैसा कि उन्होंने प्रस्तुत किया है, कोई योजना नहीं है।

(vi) पाटन की मात्रा

77. एक संकेतक के रूप में पाटन की मात्रा, कि किस सीमा तक पाटित आयात घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा सकते हैं, यह दर्शाती है कि जांच अवधि के लिए संबद्ध देश हेतु निर्धारित किए गए पाटन मार्जिन उल्लेखनीय स्तर पर हैं।

(vii) कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

78. घरेलू बाजार में कीमतों को प्रभावित कर सकने वाले कारकों का विश्लेषण करने के लिए लागत संरचना में परिवर्तन, यदि कोई हो, घरेलू उद्योग में प्रतिस्पर्धा और प्रतिस्पर्धी प्रतिस्थापनों की कीमतों की जांच की गई थी। उत्पादन की भारित औसत लागत जांच अवधि के दौरान 35% बढ़ गई। इसी अवधि के दौरान भारित औसत निवल बिक्री कीमतें 13% बढ़ गई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से आयातित माल का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी नीचे था जिसके परिणामस्वरूप भारतीय बाजार में कीमत कटौती हुई। जांच अवधि के दौरान कटौती 1-5% के बीच थी और कम कीमत पर बिक्री, जांच अवधि के दौरान 5-10% के बीच थी।

च.5 क्षति संबंधी मापदण्डों के बारे में निष्कर्ष

79. उपर्युक्त क्षति संबंधी मापदण्डों की जांच से यह प्रकट होता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मांग में वृद्धि 43% (आबद्ध खपत सहित) थी। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन में 83% की गिरावट आई। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की आबद्ध खपत सहित बिक्री में 81% की गिरावट आई। इसी अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं का आयात 2003-2004 में 44 मी. टन से अत्यधिक बढ़कर जांच अवधि के दौरान 2974 हो गया। संबद्ध देश से आयातों का हिस्सा 2003-04 में 0.18% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 4.69% हो गया जबकि घरेलू उद्योग की मांग में हिस्सा इसी अवधि के दौरान 65.7% से घटकर 37.68% हो गया। मांग में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग की क्षमता में गिरावट आई और यह जांच अवधि के दौरान अप्रयुक्त बनी रही। जांच अवधि के दौरान लाभप्रदता - 44 हो गई जो 2003-04 में 100 थी। इसी प्रकार, 100 आधार की तुलना में जांच अवधि के दौरान लाभ (पीबीआईटी)-27 रह गये। लगाई गई निवल पूंजल पर आय आधार वर्ष के 100 की तुलना में जांच अवधि के दौरान- 25 रह गई।

च.6 अन्य ज्ञात कारक और कारणात्मक संबंध

80. उपर्युक्त विश्लेषण यह संकेत करता है कि संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा में निरपेक्ष रूप से तथा मांग के हिस्से के सापेक्ष, दोनों रूपों में ठोस वृद्धि हुई है। मांग में ठोस वृद्धि के बावजूद, संबद्ध देश से आयातों की वृद्धि ने घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से को विस्थापित कर दिया है। संबद्ध देश से पाटित आयातों का पहुंच मूल्य, घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभावी कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री दर्शाता है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को आयातों के लिए अपनी कीमतों को बेंचमार्क करने के लिए बाध्य होना पड़ा जिससे उसे हानि उठानी पड़ी। यह संबद्ध वस्तु के पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति के बीच कारणात्मक संबंध को स्थापित करता है।

81. प्राधिकारी ने अन्य कारकों द्वारा जनित क्षति, यदि कोई हो, को पृथक करने के लिए कारणात्मक संबंध और नियमावली में उल्लिखित अन्य गैर-आरोपण संबंधी कारकों के मुद्दे की भी जांच की है।

(i) अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा और कीमतें

82. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उन देशों जिनके संबंध में पाटनरोधी जांच 4.1.2008 को पूरी हो गयी है, से आयातों की मात्रा कुल आयात का 87.68% है। इस जांच में, यह पाया गया है कि ऐसे देशों से आयात, घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहे हैं। रूस सहित अन्य देशों से आयात 7.63% हैं। रूस से आयातों के संबंध में भी जांच शुरू की गई थी और यह देखा गया है कि आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है, तथापि घरेलू उद्योग के अनुरोध पर जांच समाप्त कर दी गई थी क्योंकि घरेलू उद्योग द्वारा यह महसूस किया गया था कि बाजार के हालातों के अनुसार रूस के विरुद्ध यह जांच जारी रखने की आवश्यकता नहीं है।

(ii) मांग में कमी और/अथवा खपत के ढंग में परिवर्तन

83. संबद्ध वस्तुओं ने क्षति अवधि के दौरान अत्यधिक वृद्धि प्रदर्शित की है। संबद्ध वस्तु की कुल मांग, आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 43 प्रतिशत (आबद्ध खपत सहित) की वृद्धि दर्शाती है। घरेलू बाजार में उत्पाद की खपत पैटर्न में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन नहीं हुआ है जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सके।

(iii) विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

84. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उद्योग में ऐसी कोई प्रतिबंधात्मक पद्धतियाँ प्रचलित नहीं हैं जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सके।

(iv) प्रौद्योगिकी का विकास

85. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पाद के उत्पादन हेतु प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इसलिए किसी और प्रौद्योगिकी के विकास को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता।

(v) निर्यात निष्पादन

86. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा समूची क्षति अवधि के दौरान उल्लेखनीय नहीं रही। इसलिए यह कारक घरेलू उद्योग को हुई क्षति के लिए कारण नहीं है।

(vi) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

87. प्रति कर्मचारी उत्पादन के रूप में घरेलू उद्योग की उत्पादकता आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान इसी अवधि के दौरान उत्पादन में गिरावट के कारण गिरावट दर्शाती है।

88. अन्य कारक जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संभावित कारण हो सकते थे और जिन्हें प्राधिकारी के संज्ञान में लाया जा चुका है, का विश्लेषण किया जा चुका है।

89. उपर्युक्त जांच के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तु, उनके सामान्य मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत और आवेदकों की संबद्ध वस्तुओं की औसत बिक्री वसूली से कम कीमत पर है और इनसे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है जो संबद्ध वस्तुओं के पाटन और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध को दर्शाती है।

छ. क्षति मार्जिन की मात्रा

90. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति रहित कीमत की क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए निर्यातों के पहुँच मूल्य के साथ तुलना की गई है। संबद्ध देश से निर्यातों का भारित औसत पहुँच मूल्य और क्षति मार्जिन को निम्नानुसार परिकलित किया गया है:

क्षति मार्जिन की परिगणना

अम.डा./मी.टन

कंपनी का नाम	क्षति मार्जिन (थोक)
कोरिया आर ओ के के निर्यातक	***

ज. निष्कर्ष

91. उपर्युक्त पर विचार करते हुए प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि:

क. संबद्ध वस्तु का भारत को संबद्ध देश से निर्यात इसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया है;

ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;

ग. संबद्ध देश से पाटित आयातों की वजह से क्षति हुई है।

झ. भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे

92. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार प्रथाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति की पुनर्स्थापना की जा सके जो देश के व्यापक हित में है। पाटनरोधी उपायों को लागू करने से संबद्ध देश से आयात किसी भी प्रकार से प्रतिबंधित नहीं होंगे, और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

अ. सिफारिशें

93. उपर्युक्त के मदेनजर, प्राधिकारी इसे आवश्यक मानकर निम्नलिखित रूप में और तरीके से संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं :

94. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को देखते हुए प्राधिकारी पाटन के मार्जिन और क्षति के मार्जिन से कमतर के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त किया जा सके। इस मामले में, क्षति मार्जिन पाटन मार्जिन से कमतर है, तदनुसार संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के स्तंभ 8 में दर्शाई गई राशि के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	टैरिफ मद	वस्तु का विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	29141100	एसिटोन	कोरिया आर ओ के	कोरिया आर ओ के	कोई	कोई	67.33	मी. टन	अम. डा.
2.	वही	वही	कोरिया आर ओ के	कोरिया आर ओ के से इतर	कोई	कोई	67.33	मी. टन	अम. डा.
3.	वही	वही	संबद्ध देश से इतर कोई देश और दिनांक 4.1.08 के जांच परिणाम सं0 14/4/2006 द्वारा अधिसूचित संबद्ध देश	कोरिया आर ओ के	कोई	कोई	67.33	मी. टन	अम. डा.

95. केन्द्र सरकार द्वारा इसकी स्वीकृति के पश्चात जांच परिणाम के विरुद्ध कोई अपील 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ नियम, 1995 के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 9th May, 2008

Final Findings**Subject: Anti-dumping investigations involving imports of Acetone originating in or exported from Korea-ROK.**

F. No.14/13/2006-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

2. Whereas M/s Hindustan Organic Chemicals Ltd., Mumbai and M/s Schenectady Herdillia Ltd., Mumbai (now renamed as SI Group-India Ltd.) (hereinafter referred to as the Applicant) have filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred as Rules), alleging dumping of Acetone (herein after referred to as subject goods), originating in or exported from Korea-ROK and Russia [hereinafter referred to as subject country(ies)] and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods. The Authority notified the High Commissions of Korea-ROK and Embassy of Russia about the receipt of dumping allegation in accordance with sub rule 5(5) of Rules.

3. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 12th February 2007 published in the Gazette of India: Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries in accordance with the sub-Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

4. The Authority on the request in writing of the applicant terminated on 14.3.2008 the anti-dumping investigation on imports of Acetone originating in or exported from Russia as per Rule 14(a).

A. General

5. Procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigations by the Authority:-

- (i) The Designated Authority sent copies of initiation notification dated 12.02.2007 to the Embassy of the subject country in India, known exporters from the subject country, importers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the Initiation notification.
- (ii) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassy of subject country in accordance with Rule 6(3) supra.
- (iii) The Embassy of the subject country in India, were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters were also sent to them, along with the names and addresses of the exporters.
- (iv) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information to the known exporters in subject country in accordance with Rule 6(4);
- (v) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- (vi) Transaction wise data of imports procured from Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) has been relied upon for analysis in this investigation;
- (vii) The Authority verified the information provided by the domestic industry to the extent considered necessary.
- (viii) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- (ix) Investigation was carried out for the period starting from 1st July 2005 to 30th June 2006 (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the periods from April 2003-March 2004, April 2004-March 2005, April 2005-March 2006 and the POI.
- (x) The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information, to the known exporters from subject country in accordance with the rule 6(4). However, no questionnaire response has been received from any exporters of the subject goods from the subject country. M/s Kumho P & B Chemicals, Korea ROK after taking extension to file the response stated that Kumho did not dispatch the subject goods to India during POI. On 13.11.2007, LG Chem Ltd. sought 40 days' time to submit the information on the exporter's questionnaire. However, the request of the exporter was not acceded to as time permitted for submission of information had already lapsed. M/s Mitsui & co. Ltd., Korea ROK in respect of 1015 MT of Acetone from Korea stated that the company was not involved in this transaction and was only giving cargo in-out schedule

- notice to tank terminal which are the Mitsui's tanks for distribution to Asia. No other information has been provided by the company.
- (xi) Questionnaires were sent to the known importers and Consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) by permitting time of 40 days. The response from M/s Kundan Rice Mills Ltd. as an importer was filed on 14.11.2007 i.e. after considerable gap of the permitted time. The same was not considered as having been filed after the permitted time. No questionnaire response has been received from any other importer of the subject goods from the subject country.
 - (xii) The Authority held a Public Hearing on 8.2.2008 to hear the interested parties. The parties attending the Public Hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally. The Designated Authority considered the submissions as received from the interested parties in the findings.
 - (xiii) In accordance with Rule 16 of Rules Supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received thereon have also been duly considered in these findings.
 - (xiv) *** in this Notification represents information furnished by the applicant on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

B. Product under Consideration

6. The product under consideration is 'Acetone'.
7. The Acetone is organic chemical also known as Dimethyl Ketone and used in the manufacture of bulk pharmaceuticals, agro chemicals, dye stuffs, certain explosives and downstream chemicals. Acetone is classified under Chapter 29 of Custom Tariff Act under the sub-heading 29141100.
8. It is a basic organic chemical produced in single grade. It is a colourless liquid with an agreeable ether-like odour. It is used in numerous organic synthesis either as solvent or as an intermediate. It is used in manufacture of bulk pharmaceuticals, agro-chemicals, dyestuffs, certain explosives and downstream chemicals. Acetone is specifically used in manufacture of Isophorone, Diacetone, Alcohol, Methyl Methacrylate and Bishphenol A. Besides this, it is used in manufacture of certain rubber chemicals or Oxy Acethylene Cellulose Acetate.

B.1 Like Article

9. The domestic industry manufactures 'Acetone' is identical to the product under consideration, therefore is being treated as like article for the purpose of this Investigation.

C. Standing of the Domestic Industry and initiation of the investigation

10. The application was filed by M/s Hindustan Organic Chemicals Ltd., Mumbai and M/s Schenectady Herdillia Ltd., (now renamed as SI Group-India Ltd.) Mumbai, which are the producers of the subject goods in India. The applicants account for 100% production of subject goods in India, therefore, constitute domestic industry within the meaning of the Indian Anti-dumping Rules. It has been informed by the

Domestic Industry that there was no production of Acetone during POI by producers of Acetone using sugar/alcohol route.

C.1 Imports made by M/s SI Group-India Ltd.

11. During the period of investigation, M/s SI Group-India Ltd. had imported *** MT of Acetone. The company stated that the imports were basically made under Duty Exemption Scheme for exports of goods manufactured out of imported Acetone. During verification process it was verified that the company had imported *** MT under duty exemption scheme and was under export obligation to export product produced from the Acetone. The Authority notes that imports under duty exemption scheme was approximately 83% of the total imports and were meant to manufacture other product for export purpose and were not intended for consumption in the country. Therefore, the Authority holds that imports made by M/s SI Group India Ltd. do not disqualify it from being part of domestic industry.

12. It has been stated by M/s Parasol Chemical Ltd. that the document concerning imports made for export purpose to be verified. The Authority in this regard notes that the document under which imports were made had already been verified.

D Other submissions and issues raised

D.1 Issue of *de minimis* imports from Korea ROK

13. It was represented by the Govt. of Korea ROK that Acetone imports originating from Korea should be regarded as negligible because it accounts for less than 3% of total imports during POI. It was stated that Korea export was 1959 MT according to Korean International Trade Association and not 2974 MT as proposed by the petitioner. It was further stated that the balance quantity of 1015 MT was re-exported to India after importing it from USA by Mitsui Korea co. Ltd. It was stated that this has been confirmed by Ulsan Custom Office of Korea ROK. It was also stated that the Korean share of imports in Indian market become 2.93% which should be considered as *de minimis*.

14. On the issue of *de minimis*, it was stated by M/s Kumho P & B Chemicals that "Korean produced Acetone of about 959 MT, as per data furnished by Korean Embassy, was exported in June 2006 during the POI. Other exports in 2005 and/or in 2006 were outside POI. This is well below the *de minimis* threshold." It was further stated that transhipped material may be excluded from the total imports from Korea, however, even if it is not excluded for any reason, the total imports from Korea would be 1964 MT during POI which is less than 3% of total imports in India i.e. *de minimis*.

15. It has also been stated that in view of the judgment of Supreme Court in the matter of Reliance Industries Ltd. Vs. Designated Authority (Civil Appeal No.1294 of 2001) only one normal value is possible. Whereas, in case of trans-shipped material, the normal value has to be different and based on country of origin. This suggests two normal values "hence in view of the said Reliance judgment it is not possible in this case of the Hon'ble Authority to determine separate NVs for the Korean produced Acetone and the trans-shipped Acetone as stipulated by the said S9A(1)c and its proviso, of the said Act".

Examination by the Authority

16. The Authority notes that imports from Korea ROK during POI was 2974 MT which include 1015 MT of trans-shipped material. The total imports during the same period was 63371. The imports from Korea ROK as a percentage of total imports was more than 3% by including as well as excluding the trans-shipped material. Therefore, the imports were more than de minimis. Regarding issue of separate normal value it is noted that proviso to Section 9A(i)(b) specifically provides for the method by which the normal value for the trans-shipped material is to be determined.

17. After issue of disclosure statement it has been stated by M/s Prasol Chemicals Ltd. *"that annual percentage figures be considered for ascertaining de minimis status and not a stand-alone chosen period of injury"*. It has been further stated *"that the imports by the petitioners from Korea ROK be excluded while ascertaining the de minimis status, since in the explained circumstances, both the petitioners had faced plant closures and hence were the largest importers themselves"*. In this regard the Authority notes that these statements have been made without citing any rules and justifiable reasons under which these statements are supposed to be examined. Therefore, the Authority holds that the *de minimis* status of the country has been decided correctly as per the Rules and Anti-dumping Agreement.

D.2 Submissions by M/s Kundan Rice Mills Ltd.

18. M/s Kundan Rice Mills Ltd. vide letter dated 2.11.2007 had submitted that M/s Kumho P & B Chemicals has not been notified about initiation of the investigation. It was requested that M/s Kumho P & B Chemicals, exporter and M/s Kundan Rice Mills Ltd, importer should be given opportunity and 4 weeks time should be given to them to prepare their representation. Subsequently, on 14th November, 2007 M/s Kundan Rice Mills submitted response on importer's questionnaire. Vide letter dated 20.11.2007 a request was made for personal hearing. The same was acceded to and the Authority granted opportunity for the personal hearing. In the meantime, M/s Kundan Rice Mills also filed a writ petition in Delhi High court (Writ Petition (Civil) No.8817/2007) which was disposed of on 13.12.2007. Shri Satish Kumar, Manager, M/s Kundan Rice Mills Ltd. appeared for personal hearing on 9.1.2008. He was intimated that questionnaire was submitted by them after the permitted time, however, he was also advised to make submissions in the Public Hearing which was to be held and in which all interested parties would be present. The Public Hearing was held on 8.2.2008; however, no representative of the company appeared in the public hearing. On perusal of importer's questionnaire, it has been noticed that while giving details about the total imports the imports from Korea ROK claimed to have been made. However, in the transaction wise details no import transaction shown to have been made from the subject country.

19. The disclosure statement was issued on 2.4.2008, no comments has been given on the facts disclosed, instead new statements on the current situation concerning demand, supply, import of acetone and end use of acetone have been made and has been stated that no anti-dumping duty be imposed on imports of acetone. In this regard, the Authority has taken a view that disclosure statement is issued to seek the comments on the facts already submitted by interested parties and not for the fresh submissions, therefore, the statements have not been examined.

However, the injury analysis has already captured facts and arguments about injury and issue relating to injury of the domestic industry.

Issue raised by M/s Kumho P & B Chemicals

20. After the disclosure statement, M/s Kumho P & B Chemicals has raised objections and questioned the exclusion of imports from Qatar on the basis of revised data and stated that exporter *"is astounded by the apparent acceptance by the hon'ble Authority to exclude the imports from Qatar based on apparently purchased (as per DGCI&S tariffs) revised import data. There is prima facie no basis for such exclusion in the said investigations."* It has also been stated that *"as per NCV DI submissions another product in the same tariff code from Qatar was wrongly entered as acetone."* And *"there is no material in the public file to show whether the hon'ble Authority has checked whether the company that imported the Ammonia normally imported Acetone or Ammonia"*. In this regard the Authority notes that the domestic industry had submitted the data procured from DGCI&S while submitting the application for initiation of investigation. Subsequently, the domestic industry sought clarification from DGCI&S about the imports made by Qatar. The DGCI&S after checking the records intimated that Acetone was not imported from Qatar. Thereafter the Authority sought the clarification from DGCI&S and it was confirmed that imports reported from Qatar was actually that of Ammonia and the corrections have been made in the data base. The correspondence was placed in the Public File. The Authority, for the purpose of the investigation, relied on the import data independently procured from DGCI&S. The Authority further notes that in another investigation concerning Acetone notified on 4.1.2008 revised imports data was taken for analysis purpose.

21. M/s Kumho P & B Chemicals has also raised objection about termination of investigation in respect of Russia. In this regard the Authority notes that the termination of investigation was done on the request of the domestic industry as per Rule 14(a). It has also been stated that period for conducting investigation were not extended in accordance with the law. The well established practice in the other leading jurisdictions is that extension of the investigation is notified to the public ahead of the date of completion of original investigations and not by e.mail or orally to the authorized representatives subsequent to the last date of the investigation. *"Thus, in law the proceedings in these investigations beyond 11th February 2008 are illegal and Kumho has participated under protest by way of abundant caution only and not in any manner acquiescing to the illegality."* In this regard the Authority notes that the competent authority had extended the time period for completing investigation. The concerned document was placed in the public file and the information about the extension was also intimated to all interested parties including their counsels vide letter dated 4.2.2008.

D.3 Confidentiality

22. The Authority in this case has considered the data relating to customers, price and costing as confidential as the disclosure of the same may give the competitive advantage to the other interested parties. The data relating to volumes of domestic industry (all producers taken together) has not been treated as confidential.

E. Methodology for Calculation of Dumping Margin

E.1 Normal Value for Korea-ROK

23. A claim has been made that 1015 MT of exports from Korea ROK was trans-shipped material which had originated from USA. The Authority in this regard noted that from the data of importers who had cooperated in the investigation of the same product concluded on 4.1.2008, the same transactions shown to have been made from Korea ROK. The Authority, therefore, has not determined separate normal value for such claimed trans-shipped material.

24. No exporter has responded to the initiation notification and submitted any information. In absence of any data, the Authority has relied on the facts available as per Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules to determine the normal value. The normal value has been constructed on the basis of facts available. For constructing normal value, the price of Benzene has been taken from the data of DGCIS and for Propylene it has been taken from ICIS LOR Asia. The consumption norms of the efficient producer of the domestic industry and SION have been relied upon. For utilities, consumption norm and prices of the efficient producer of the domestic industry have been taken except for power for which the rate has been taken as per the available information of power rate in the exporting country. Conversion cost and SGA including interest has been taken as per the efficient producer of the domestic industry. The profit @ 5% has been taken on the cost of production. By adopting this methodology, the constructed normal value for bulk material has been calculated as US\$ *** PMT.

E.2 Export price for Non-cooperating Exporters

25. The data reported by the DGCI&S for exports from Korea-ROK has been relied upon to calculate the ex-factory export price. The DGCIS data shows exports of bulk material during the POI. Adjustment on account of ocean freight @ US\$ 50 PMT, marine insurance @ 0.25%, inland freight @ 1%, port expenses @ 0.5%, bank charges @ 0.5% have been made to arrive at the ex-factory export price. By adopting the above method, the ex-factory export price has been calculated as US\$ *** PMT for bulk material.

E.3 Dumping Margin

26. On the basis of normal values and export prices as determined above, the dumping margin has been calculated as 32.77% for non-cooperating exporters. The dumping margin so determined is significant and above de minimis

F. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINKS

F.1 Views of the domestic industry

27. The followings are the views of domestic industry:-

- a) The sales of the domestic industry declined significantly after showing a significant increase up to 2004-05. It would be seen that the import volumes in absolute term increased vis-à-vis sales of domestic industry declined. There is

- direct relationship between the import volumes, import price, sales volumes and market share of the domestic industry. Import volumes increased because of availability of the material at dumped prices, due to which sales of domestic industry declined.
- b) Profits:- Profitability of the domestic industry has significantly eroded. Even when the domestic industry attempted to maintain its market, the impact of the same was very adverse in terms of profits, which declined significantly from a situation of profits to financial losses. Decline in profitability of the domestic industry continued throughout the investigation period. Should the performance of the domestic industry be examined on quarter by quarter basis, the same materially deteriorated in each quarter.
 - c) It would be worthy to mention that significant decline in profits is in spite of significant reduction in interest costs. In other words, whereas the profits should have improved on account of reduction in interest costs, the same has rather declined. Employment level with the domestic industry has declined.
 - d) Productivity:- Productivity of the domestic industry declined. Petitioners submit that so severe is the adverse impact of dumping that even productivity of the domestic industry has suffered in spite of the peculiar nature of the production process. Any producer of the product would like to increase production. Production restrictions/suspension are quite unusual in this kind of industry. However, so severe has been the impact of dumping that the domestic industry has been forced to cut production.
 - e) Return on capital employed:- For the purpose of calculation of return on investments, petitioners have considered sum of fixed assets and working capital and profit before interest and taxes. The information shows significant deterioration in the performance of the domestic industry, from a situation of positive return to negative return. The decline in ROI is a direct consequence of decline in profits.
 - f) Output and Capacity Utilization:- Domestic industry maintained its capacity for production of subject goods¹. However, severe pressure on domestic industry from dumped imports resulted in production cuts being resorted by the domestic industry, resulting in decline in capacity utilization.
 - g) Output and capacity utilization of the domestic industry declined in spite of the fact that the domestic industry decided to offer sub-optimal prices.
 - g) Inventories:- Inventory level of the domestic industry increased. Increase in inventories is in spite of lower prices offered by domestic industry. Whereas domestic industry had inventories equal to about 3 days sales, the same increased to more than 17 days in proposed period of investigation.
 - i) Salary & wages:- Salary and wages with the domestic industry increased.
 - j) Cash Profit:- Deterioration in profits of the domestic industry adversely affected cash profits of the domestic industry, which directly affected cash flow. Petitioners have determined cash profits from the product under consideration and cash flow of the company as a whole.
 - k) Demand and market share:- Whereas the market shares of the imports have increased, that of the domestic industry has declined.
 - l) Growth:- Growth of the domestic industry in a number of parameters shows negative trend.

28. It is thus evident that the domestic industry has suffered material injury. Thus, it can be concluded that the domestic industry is trapped in a vicious cycle of volume effect and price effect. First with the increase of the imports of the subject good from the subject countries into the Indian market as a result of excess capacity with the Foreign Producers, the domestic industry suffered from loss of sale and loss of market share. This resulted in adverse volume effect. This loss of sale forced the domestic industry to reduce their domestic selling price in order to sell the subject good in the domestic market. This resulted in adverse price effect. The exporters further reduced the selling price. As a result, the domestic industry reduced the selling price further and the process continued. Resultantly, domestic Industry faced adverse volume effect and adverse price effect as a result of distortive and unfair trade practices of the exporting countries.

F.2 Threat of Material Injury

29. In addition to the material injury already being suffered by the domestic industry, imports from subject countries are posing threat of material injury to the domestic industry.

30. There is significant increase in the import volumes in absolute term as is evident from the enclosed *pro forma*, and as would be seen from the increase in import volumes. This increase in imports is in spite of best efforts of the domestic industry to sell their material even at sub-optimal prices. The increase in imports would have been more, had the domestic industry not made efforts to curtail the same by offering lower prices;

31. The price undercutting is significant as is evident from the enclosed *pro forma*. At any point of time and in spite of offering matching prices, there is a positive price difference between the domestic product and imported product. Given nature of the product involved, any price difference between the domestic product and imported product is not acceptable to the consumers and the domestic industry is under constant pressure for price reductions. It may be noted that it is not such a product that the domestic industry can afford to sell at prices significantly higher than the imported prices. The only option with the domestic industry is to sell at matching prices. Therefore, it should be noted that small price difference is in fact huge in this kind of product;

32. Capacities created by the producers in the subject countries are far more than their respective domestic demand. These producers are in fact saddled with excess capacity. Capacities in Taiwan, Korea and USA are 300000 MT, 100000 MT and 3175000 MT respectively, which is significantly higher than consumption in their respective markets. Due to excess capacity in China, producers have been forced to reduce their prices.

33. While inventories of the article with the domestic industry are showing increase in spite of significant reduction in the selling prices by the domestic industry, petitioners understand that the producers in subject countries are saddled with higher inventories. However, no published information is available in this regard and the Authority is requested to call for relevant information;

34. Petitioners conducted extensive analysis of exports from subject countries to world over. The analysis was shocking in terms of its likely impact on the domestic industry. World exports of subject countries are showing increasing trends, clearly implying surplus unutilized capacities with the Foreign Producers.

F.3 Issue raised by Interested Parties

Submissions made by M/s Prasol Chemicals Ltd.

35. The petitioners had filed petition for safeguard duty in the year 1999-2000. The final findings based on which safeguard duties were notified were clear that these levies need to be progressively liberalized to facilitate positive adjustments by domestic industry. The adjustment plan undertaken by the domestic industry was also spelt out very clearly. The plan to improve competitiveness essentially comprised following major elements:-

1. Building economies of scale to reduce fixed costs.
2. Up gradation of technology and debottlenecking to reduce operational costs.
3. Captive power generation to reduce power costs.
4. Better logistics and port infrastructure (only step outside the industry control).
5. Setting up World scale Greenfield Plant with state-of-art technology.

36. Neither of petitioners had done anything significant towards adjustments and in fact flouted their own solemn undertaking to the Government. Under the circumstances, that anti-dumping petition should not have been considered. The petitioners had stated that plant capacity of Korean manufacturers is about half a million tones per annum and is more than 10 times production capacity of both the petitioners put together. Petitioners cannot choose not matching any standards despite enjoying safeguard duty for a period of 3 years and no implementing committed improvements and now turning to anti-dumping duty for protection. Loss on account of uneconomic planning, plant sizing and unmatched process technologies and scale of operations cannot be considered to be injury on account of dumping.

37. The petitioners have always been profitable on manufacturing Phenol/Acetone due to very high local demand. The SI Group India Ltd. has been importing cumene, and intermediate in the manufacturing of phenol/acetone to the tune of 10000 MT per annum at 5% duty. Manufacturing of phenol/acetone has been profitable based on cumene import.

38. During the period of injury – July 2005 to March 2006 (9 months), operations were closed for SI Group in July 2005 due to flood for about 2 months. Likewise, HOCL plant was affected due to disruption of raw material supplies, plant upgradation and hence plant was shut down for 2 months. It has been that no plant can attain 100% production after such a major change. For attaining full utilization, it may require additional 6-8 weeks' time. Therefore, even if we consider operations were affected for 3 months out of 9 months' period of injury, then, injury is more on account of abnormal situations and it is not normal loss on account of dumping. Hence point of injury stated incorrectly. Hence, all subsequent arguments need to be ignored.

39. The claim of SI Group of loss of profit to the extent of 8.3 crores as per their annual report 2005-06, therefore, the company was making profit without any dumping duty and by their admission, the loss was due to flood only.

40. During the financial year 2005-06 (POI), SI Group in spite of 14% drop in production due to heavy flood during July 2005 in the area still had an operating profit (PBIDT) of Rs.17.62 crores.

41. The production of both the petitioners is about 40-45% of the total domestic demand. In such a situation, there cannot be injury and imports are inevitable and even the petitioners are importing regularly.

42. Acetone is used by SI Group to make other products. Anti-dumping duty may result in unfair trade practice. As SI Group makes acetone and sells downstream product. This will result in monopoly trade and price adjustment to choke other SME units.

43. SI Group has admitted in the Annual Report that year after the sales of Diacetone Alcohol (DAA) has gone up substantially and hence there is a drop of Acetone sale in market.

44. SI Group represented that they are unable to meet the cost of manufacturing Acetone. Up to cleavage (crude mixture of Acetone and Phenol) there is common expense on Phenol and Acetone and only after when Phenol is separated Acetone is received as a co-product. Hence all cost up to cleavage are considered in Phenol manufacturing and not repeated under Acetone manufacturing as it is a co-product. Again we cannot have anti-dumping duty both on Phenol and Acetone.

45. Due to anti-dumping duty on acetone, imports of its downstream products viz. Diacetone Alcohol and Isophorone have shot up by more than 100% in last six months of Daicetone Alcohol (DAA) and 50% of Isophorone as compared to last year which clearly indicates that if anti-dumping is imposed on raw material and no on finished products, local SME industries will not remain viable. Hence, acetone prices worldwide are correct for them to export finished goods at old prices. Indian industries cannot serve our own manufacturers in India as of now acetone downstream products have easy access to end users as raw material in India not viable.

46. After the levy of anti-dumping duty on acetone in the domestic tariff prices are maintained at a far lower level than the landed imported cost with anti-dumping duty. Hence, the price levels of acetone are only marginally more than the pre anti-dumping duty regime. The petitioners are not indeed affected by any injury as claimed, otherwise they would have matched their price level more closer to the landed cost of imported acetone post anti-dumping duty selling price of Acetone before anti-dumping duty.

47. The losses have been mounting from 1997-98 to 2003-04 and thus base period fixed in the investigation is in itself a loss period to start with and period of investigation would show the maximum injury. HOCL is a company referred to the BIFR even prior to the period of investigation and the reasons for reference is complete erosion of funds i.e. accumulated losses. It makes it clear that the poor

performance of the company is on account of their inherent difficulties which have been acknowledged in several reports of the government. Even after receiving the benefits under the BIFR Scheme, the company has not been able to stabilize their business operations and this anti-dumping application seems to be recourse to capitalize. The injuries cannot be co-related and attributed to dumping but to their own inefficiencies.

48. The Prasol Chemicals started as small scale unit and now fall in SME category. If anti-dumping duty is imposed, this will benefit only larger units making acetone and downstream products, killing smaller units. All economic policies should be export oriented and helping the smaller unit and not larger units. There should be special consideration for SME units regarding anti-dumping duty particularly when the local industry is not able to meet the country's requirements.

Examination by the Authority

49. The Authority has taken note of various arguments raised by various parties in their submissions. Concerning issue of safeguard duty, the Authority notes that anti-dumping investigation is against unfair trade of dumping by exporters of other countries. The previous petition by the applicant would not be relevant unless it can be shown that injury during POI has not been caused by the dumped imports. On the issue of production data, profits and other economic parameters on the basis of which injury is to be analyzed, the Authority has not relied on statements of domestic industry and other interested parties but has taken cognizance of only verified data of product under consideration for domestic industry as a whole. Regarding the argument that anti-dumping duty will result in unfair trade practice and monopoly, the Authority notes that anti-dumping investigation is conducted against unfair trade practice of dumped imports; by imposition of anti-dumping duty, the exports from the subject countries are not banned and no monopoly is created, it only intend to neutralize the effect of the dumped material. It has been pointed out that SI Group has claimed loss of profit from the insurance. In this regard, it has been noted that the company has claimed the benefit from insurance on the basis of previous profitable period whereas the injury analysis has been made for the POI on the basis of actual data of the company and domestic industry. Concerning issue that HOCL was incurring losses from 1997-98 to 2002-03 and it was referred to BIFR even prior to the period of investigation, it has been noted that unit of HOCL concerned with the production of Phenol and Acetone were making profits during 2002 to 2006, however, the profit was considerably reduced during 2005-06. The Authority in this regard holds that declaration of the company as a sick company under SICA would not make it ineligible to seek relief under anti-dumping investigations.

50. While submitting comments on the disclosure statement, M/s Prasol Chemicals Ltd. reiterated their earlier submissions and also stated that SI Group has admitted in their Annual Report that sales of Diacetone Alcohol (DAA) has gone up substantially and hence there is a drop of Acetone sale in the market. Quality of Acetone produced by SI Group was low Benzene Acetone which is required by high and premium paying users like the pharma industry. Obviously imported Acetone was substituted by the said petitioner against their exports made from the captive consumption of Acetone. And the imported low benzene Acetone of higher quality was directly sold in the high-end domestic premium market. The Authority in this regard note that while analyzing volume injury the analysis has been made by including and

excluding captive consumption of Acetone which has been used for producing other products. Regarding higher realization by the SI Group for imports of low benzene Acetone, in case it is true, the same has been captured in the net sales realization as the analysis has been done for the weighted average sale of the company.

F.4

51. Article 3.1 of the ADA and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products, with regard to the volume effect of the dumped imports. The authorities are required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in the importing member. With regard to the price effect of the dumped imports, the authorities are required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in the importing country, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

52. For the purpose of injury analysis the Authority has examined the effect of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on production, capacity utilization, sales, prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

53. Since positive dumping margins have been established for the exports from the subject country, therefore, entire exports from the subject country have been treated as dumped imports for the purpose of injury analysis and causal links examination.

(A) **VOLUME EFFECT:** Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry

53. The Authority has procured transaction wise details of imports of subject goods from DGCIS. As per the data, imports from subject country is more than de minimis. The Authority notes that the share of subject country in imports was 0.18% in 2003-04 increased to 3.44% in 2005-06 and 4.69% in POI. The Authority observed that the share of imports from other countries (excluding countries in respect of which anti-dumping investigation have been concluded on 4.1.2008) was 10.27% in 2003-04 which declined to 7.63% in POI.

i) **Import Volumes and share of subject country**

Imports	Units	2003-04	2004-05	2005-06	July 05-June06
Korea ROK (subject country)	MT	44	0	2141	2974
Trend	Indexed	100	2532	4867	6761
Countries already attracting ADD	MT	21757	27920	56609	55562
Other countries	MT	2495	1762	3426	4835
Total Imports	MT	24295	29682	62175	63371
Trend	Indexed	100	122	256	261

Market Share in Imports					
Korea ROK (subject country)	%	0.18	0.00	3.44	4.69
Countries already attracting ADD	%	89.55	94.06	91.05	87.68
Other countries	%	10.27	5.94	5.51	7.63
Trend	%	100.00	100.00	100.00	100.00

ii) Demand, Output and Market shares

a) Growth In Demand

Growth in Demand including Captive Consumption

Demand	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July05-June06
Domestic Industry	MT	46636	51567	37751	38314
Total Imports	MT/Lacs	24295	29682	62175	63371
Total Demand	MT/Lacs	70931	81250	99926	101685
Trend	Indexed	100	115	141	143

Growth in Demand excluding Captive Consumption

Demand	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July05-June06
Domestic Industry	MT	41405	50122	36134	37256
Total Imports	MT/Lacs	24295	29682	62175	63371
Total Demand	MT/Lacs	65701	79804	98310	100627
Trend	Indexed	100	121	150	153

54. Demand of subject goods has been determined by addition of domestic sales (including captive consumption) of domestic industry and all imports from all countries. From the data, trend indicates that demand for the subject goods had been growing from base year to POI. It grew by 43% during POI as compared to base year i.e. 2003-04.

55. The growth in demand of subject goods excluding captive consumption also shows similar trends. However, as compared to base year it grew by 53%.

b) Production of the Domestic Industry

Capacity	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July05-June06	Adjusted
DI	MT	45500	45500	45500	45500	45500
Trend	Indexed	100	100	100	100	100
Capacity Utilisation						
DI	%	102	114	80	85	91
Trend	Indexed	100	112	79	83	90
Production						
DI	MT	46422	52036	36477	38736	41569
Trend	Indexed	100	112	79	83	90

56. Data of domestic industry on capacity, production and capacity utilisation reveals that the capacity of the domestic industry was 45500 MT during 2003-04 and had not changed during POI. The production of subject goods was 46422 MT during

2003-04 after rising in 2004-05 declined to 36477 MT during 2005-06 and was 38736 MT during POI. The trend indicates the production rose by 12% in 2004-05 and declined to 83% of the base year during POI. The capacity utilisation of domestic industry was 102% during 2003-04 declined to 85% during POI as compared to the base year.

57. The plant of M/s SI Group India Ltd. was out of operation for 49 days during POI due to floods in that area. The data on production and capacity utilisation has also been analysed by adjusting the actual data to capture the effect of 49 days. The adjusted data reveals similar trends, however, production and capacity utilisation declined to 90% during POI as compared to base year.

c) Sales of Domestic Industry

Domestic Sales	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July05-June06
Domestic Industry	MT	41405	50122	36134	37256
Trend	Indexed	100	121	87	90
Domestic sales including Captive consumption					
Domestic Industry	MT	46636	51567	37751	38314
Trend	Indexed	100	111	81	82

58. The data on sales indicates that the domestic industry sold 46636 MT of subject goods during 2003-04 and it declined to 38314 MT during POI. The sale of domestic industry fell to 82% during POI as compared to base year. The data on sales excluding captive consumption indicates that the domestic industry sold 41405 MT of subject goods during 2003-04 and it declined to 37256 MT during POI. The sale of domestic industry fell to 90% during POI as compared to base year. The average inventory of the domestic industry indicates that the average stock was 867MT in 2003-04 and it rose to 1878 MT during POI. The average stock rose by 117%. In term of number of days of sales it was equivalent to 8 days of sales in 2003-04 and rose to 14 days of sales during POI as compared to base year. The decline in production, sales, capacity utilization and growth of average stock during POI indicate difficulty in selling the subject goods

Demand and Market Share including captive consumption

Domestic Sales	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July05-June06
Domestic Industry	Mt	46636	51567	37751	38314
Total Imports	Mt	24295	29682	62175	63371
Total Demand	Mt	70931	81250	99926	101685
Trend	Indexed	100	115	141	143
Market share in Demand					
Domestic Industry	%	65.75	63.47	37.78	37.68
Trend	Indexed	100	97	57	57
Korea ROK	%	0.06	0.00	2.14	2.92
Subject country	%	0.06	0.00	2.14	2.92
Trend	Indexed	100	0	3455	4716

Countries in respect of which ADD has been imposed	%	30.67	34.36	56.65	54.64
Trend	Indexed	100	112	185	178
Other countries	%	3.52	2.17	3.43	4.75
Trend	Indexed	100	62	97	135
Total	%	100.00	100.00	100.00	100.00

d) Demand and Market Share excluding captive consumption

Domestic Sales	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July05-June06
Domestic Industry	Mt	41405	50121	36134	37256
Total Imports	Mt	24295	29682	62175	63371
Total Demand	Mt	65701	79804	98310	100627
Trend	Indexed	100	121	150	153
Market share in Demand					
Domestic Industry	%	63.02	62.81	36.76	37.02
Trend	Indexed	100	100	58	59
Korea ROK	%	0.07	0.00	2.18	2.96
Subject country	%	0.07	0.00	2.18	2.96
Trend	Indexed	100	0.00	3253	4414
Countries in respect of which ADD has been imposed	%	33.11	34.99	57.58	55.22
Trend	Indexed	100	106	174	167
Other countries	%	3.80	2.21	3.48	4.80
Trend	Indexed	100	58	92	127
Total	%	100.00	100.00	100.00	100.00

59. The demand (including captive consumption) of subject goods has shown rising trend. It grew by 43% during POI as compared to the base year. The trend indicates that the share of domestic industry which was at 65.75% in 2003-04 declined to 37.78% during POI. During the same period the share of subject country which was 0.06% in 2003-04 rose to 2.14% in 2005-06 and 2.92% during POI. The share of imports from other countries has also risen from 3.52% in the base year to 4.75% during POI. The share of imports of countries in respect of which anti-dumping investigation has been concluded on 4.1.2008 was 30.67% in 2003-04 and increased to 54.64% during POI.

60. The demand (excluding captive consumption) of subject goods shows similar trend. It grew by 53% during POI as compared to the base year. The trend indicates that the share of domestic industry which was at 63.02% in 2003-04 declined to 37.02% during POI. During the same period the share of countries in respect of which anti-dumping investigation has been concluded on 4.1.2008 was 33.11% in 2003-04 rose to 57.58% in 2005-06 and 55.22% during POI. The share of other countries was 3.80% in 2003-04 and increased to 4.80% during POI.

17084/108-6

(B) Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

61. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject countries have been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject country.

(i) Evaluation of Export Price over period under consideration

Export price (CIF)	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July05-June06
Korea	Rs/Mt	32410	0	40471	33725
Trend	Indexed	100	0	125	104
Countries in respect of which anti dumping duty has been imposed	Rs/Mt	26405	39664	36202	32698
Trend	Indexed	100	150	137	124

62. The data on prices reveals that prices from Korea ROK increased by 4% in POI as compared to base year. It has, however, been noted that prices had increased in 2005-06 and the same declined significantly during POI.

(ii) Price undercutting and underselling effects

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July05-June06
Selling Price - DI	Rs/Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	131	119	113
Customs Duty	%	25	20	14.79	14.17
Landed value					
Korea	Rs/Mt	40594	0	46517	38550
Price undercutting	Rs/Mt	***	***	***	***
Price undercutting	%				***
Non injurious price	Rs/Mt				***
Price underselling	Rs/Mt				***
Price underselling	%				***

63. In determining the weighted net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been rebated.

64. The trend of selling price indicates that it has risen by 31% in 2003-04, 19% in 2005-06 as compared to base year, however, it rose by 13% during POI as compared to base year. During the same period, the cost of production had risen by 21% 2004-05 and 31% during POI as compared to base year.

65. Price undercutting has been determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from the subject country over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose landed value of imports has been calculated by

adding 1% handling charge and applicable basic customs duty to the value reported in the DGCI&S data of import prices from the subject country. The price undercutting from subject country was in the range of 1-5% during POI.

66. For the purpose of price underselling determination the weighted average landed prices of imports from subject country have been compared with the Non-injurious price of the domestic industry determined for the POI. It shows that underselling was in the range of 5-10%.

(iii) Price suppression and depression effects of the dumped imports:

67. The price suppression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values from the subject country.

68. The trend of cost of production shows that weighted average cost of production rose by 35% during POI as compared to base year whereas the selling price had increased only by 13% during POI indicating that the domestic industry could not realize the selling price commensurate with the increase in cost of production.

F.4 Examination of other Injury Parameters

69. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analysed hereunder as follows:

ii) Profits and actual and potential effects on the cash flow

Sales(NSR)	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July05-June06	Adjusted
Domestic Industry	Rs/MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	131	119	113	113
COP						
Domestic Industry	Rs/MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	121	141	135	135
Profitability						
Domestic Industry	Rs/MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	196	-38	-40	-44
Profits - PBIT						
Domestic Industry	Rs/Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	216	-19	-21	-27

70. The data indicate that weighted average cost of production of the domestic industry rose by 21% in 2004-05, 41% in 2005-06 and 35% during POI as compared to base year whereas the weighted average net selling price increased by 31 % in 2004-05, 19% in 2005-06 and 13% during the same period. The profit per unit which was 100 (indexed) in the base year increased by 96% during 2004-05 and turned into

loss of 40 during POI. The profit of domestic industry on the domestic sales(PBIT) which was 100 (indexed) in 2003-04 increased by 116% in 2004-05 and turned to loss of 21% during POI..

iii) **Return on investment and ability to raise capital**

Assets(NFA)	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July05-June06	Adjusted
Domestic Industry	Rs/Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	105	100	100
Capital Employed (NFA)						
Domestic Industry	Rs/Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	120	115	109	109
PBIT						
Domestic Industry	Rs/Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	216	-19	-21	-27
ROCE(NFA)						
Domestic Industry	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	180	-17	-19	-25

71. The data on capital employed shows that it increased by 20% in 2004-05, 15% in 2005-06 and 9% during POI as compared to base year. The increase of capital employed was mainly because of increase of the working capital. The return on capital employed with base as 100 (indexed) in 2003-04 increased by 80% in 2004-05 and turned to -19% during POI.

i) **Productivity**

72. The data on production per employee shows that the productivity increased by 14% in 2004-05 before declining to 86% during POI as compared to base year.

Employment and wages

Employees	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July05-june06
DI	No	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	98	97
Salary & wages					
DI	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	112	121	135

73. Acetone and Phenol are produced together in a same process. Therefore, the number of employees and their wages have been taken for the plant as a whole. The employment level does not show significant change. In indexed form it declined to 97% during POI as compared to base year. The wages increased by 35% during POI as compared to base year.

viii) **Inventories**

Average Inventory	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	July05-June06
DI	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	110	113	217

74. The data indicates the average inventory almost doubled during POI from the 100 of the base year. The stock was equivalent to 8 days of sales in 2003-04 and increased to equivalent of 14 days during POI

Growth

75. The growth in demand shows positive trend from base year to POI on year to year basis. The growth in production and sales were positive in 2004-05, negative in 2005-06 and was positive during the POI. The cost of production show positive trend in 2004-05 and 2005-06, however, it was negative in POI. Growth of selling price shows positive trend in 2004-05 and negative in 2005-06 and POI. Growth of profits shows positive trend in 2004-05 and negative in 2005-06 and POI.

v) Investment

76. The authority notes that the domestic industry had not changed the capacity of subject goods from base year to POI. There has been no fresh investment by the domestic industry during the period of investigation and there is no plan for further investment as submitted by them.

vi) Magnitude of Dumping

77. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margins determined against the subject country, for the POI, is significant.

vii) Factors affecting prices

78. Change in cost structure if any, competition in the domestic industry and prices of competing substitutes have been examined for analyzing the factors might be affecting the prices in the domestic market. The weighted average cost of production has increased by 35% during POI. The weighted average net selling prices increased by 13% during the same period. The Authority notes that Landed values of imported material from subject country was significantly below the selling price of the domestic industry, causing price undercutting in the Indian market. The undercutting during POI was in the range of 1-5% and underselling was in the range of 5-10% during POI.

F.5 Conclusion on injury parameters

79. The examination of above injury parameters indicates that growth in demand was 43% (including captive consumption) during POI as compared to base year. The production of the domestic industry declined to 83% during POI as compared to the base year. The sales including captive consumption of the domestic industry declined to 81% during POI as compared to the base year. During the same period, the imports of subject goods increased significantly from 44 MT in 2003-04 to 2974 MT during POI. The share of the imports from subject country increased from 0.18% in 2003-04 to 4.69% during POI whereas the share in demand of the domestic industry declined from 65.7% to 37.68% during the same period. The capacity of the domestic industry despite growth in demand declined and remained unutilized during POI. The profitability during POI turned to -44 during POI from base of 100 in 2003-

04. Similarly, profits (PBIT) turned to -27 during POI as compared to base of 100. The return on net capital employed turned to -25 during POI as compared to 100 of base year.

F.6 Other Known factors and Causal Link

80. The foregoing analysis indicates that the volume of dumped imports from the subject country has increased substantially both in absolute terms as well as in relation to the share in demand. Despite strong growth in demand the growth of imports from subject country has displaced the market share of the domestic industry. The landed value of dumped imports from the subject country also show a significant price undercutting and underselling on the prices of the domestic industry compelling the domestic industry to benchmark its prices to imports thereby incurring losses. This establishes causal link between dumping of the subject goods and injury to the domestic industry.

81. The Authority has also examined the issue of causal link and other non-attribution factors as laid down in the Rules to segregate injury if any caused by other factors. In this regard the following indicative factors as laid down in the Rules have been examined.

i) Volume and prices of imports from other sources

82. The Authority notes that the volume of imports from the countries in respect of which anti-dumping investigation has been concluded on 4.1.2008 is 87.68% of the total imports. In the investigation it has been found that imports from such countries were causing injury to the domestic industry. The imports from other countries including Russia are 7.63%. The investigation was also initiated in respect of imports from Russia and it has been noticed that the imports were undercutting the prices of the domestic industry, however, the investigation was terminated on the request of the domestic industry as it was felt by the domestic industry that market situation does not demand that investigation against Russia should continue.

ii) Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

83. The subject goods have shown robust growth during the injury period. The total demand of subject goods has shown growth of 43% (including captive consumption) during Period of Investigation as compared to the base year. There is also no significant change in consumption pattern of the product in the domestic market which could be attributed to the injury to the domestic industry.

iii) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

84. The Authority notes that there is no restricted practice prevalent in the industry which could be attributed to the injury to the domestic industry.

iv) Development of technology

85. The Authority notes that technology for production of the product has not undergone any change. Development of any other technology, therefore, cannot be attributed to the injury to the domestic industry.

v) Export performance

86. The Authority notes that the export volume of the domestic industry is insignificant during the entire injury period. Therefore, this factor is not attributable to the injury to the domestic industry.

vi) Productivity of the Domestic Industry

87. Productivity of the domestic industry in terms of production per employee has shown decline during POI as compared to base year because of the decline in production during the same period.

88. The other factors which could have possibly caused injury to the domestic industry and brought to the knowledge of the Authority have already been analysed.

89. On the basis of the above examination it is concluded that the subject goods exported from the subject country are at prices below their normal values, Non Injurious Price of the domestic industry and the average sales realization of the subject goods of the applicants, and have caused injury to the domestic industry indicating causal links between dumping of subject goods and injury to the domestic industry.

G. Magnitude of Injury Margin

90. The non-injurious price determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports for determination of injury margin. The weighted average landed price of the exports from the subject country and the injury margins have been worked out as follows:

Injury margin Calculations

USD./MT	
Name of company	Injury Margin (Bulk)
Exporters from Korea ROK	***

H. Conclusions

91. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- A. The subject goods have been exported to India from the subject country below its normal value;
- B. The domestic industry has suffered material injury;
- C. The injury has been caused by the dumped imports from subject country.

I. Indian industry's interest & other issues

92. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

J. Recommendations

93. In view of the above, the Authority considers it necessary and recommends definitive anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder.

94. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. In this case Injury margin is lesser than dumping margin, accordingly, definitive antidumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject country.

Duty Table

Sl. No	Tariff Item	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	29141100	Acetone	Korea ROK	Korea ROK	Any	Any	67.33	MT	USD
2.	Do	Do	Korea ROK	Any country other than Korea ROK	Any	Any	67.33	MT	USD
3.	Do	Do	Any country other than subject country and subject countries notified vide findings no 14/4/2006 dtd 4.1.08	Korea ROK	Any	Any	67.33	MT	USD

95. An appeal against the findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

R. GOPALAN, Designated Authority